जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 35 प्रभात कोटा, सोमवार 18 नवम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मणिपुर : एन.पी.पी. ने बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस लिया

फिलहाल सरकार को खतरा नहीं है क्योंकि 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 32 सदस्य हैं

- नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन वापस लेने वाले पत्र में कहा कि मणिपुर की राज्य सरकार संकट को हल करने व राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है।

इंफाल/आइजोल, 17 नवंबर। मणिपुर में 3 महिलाओं और 3 बच्चों के शव मिलने के बाद से हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच सरकार में शामिल नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन वापसी का ऐलान किया है। 60 सदस्यों वाली मणिपुर विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी के 7 सदस्य हैं, जो भाजपा सरकार को समर्थन दे रहे थे। भाजपा के पास 32 सदस्य हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 31 हैं। ऐसे में सरकार को फिलहाल खतरा नहीं है।

कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एन.पी.पी.) ने राज्य में मौजूदा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। पार्टी ने कहा कि संकट से निपटने के तरीके और निर्दोष लोगों की जान जाने से असंतुष्ट होकर उन्होंने तत्काल प्रभाव से सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा की है।

एन.पी.पी. द्वारा जारी पत्र में कहा गया है, "हमें दृढ़ता से लगता है कि बीरेन सिंह के नेतृत्व में मणिपुर राज्य सरकार संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, नेशनल पीपुल्स पार्टी ने मणिपुर राज्य में बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन तत्काल प्रभाव से वापस लेने का निर्णय लिया है।"

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़की हुई है। यहां पिछले साल मई के महीने से मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच संघर्ष चल रहा है, जो एक बार फिर हिंसक रूप ले चुका है। तीन बच्चों और तीन महिलाओं की मौत के बाद से यहां लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह नागपुर की चार रैलियां रद्द कर दिल्ली लौट आए हैं। वे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग करेंगे। वहीं, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल प्रमुख अनीश दयाल को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा जा रहा है।

राज्य सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम वापस लेने को कहा है। हिंसा के कारण केंद्र सरकार ने 14 नवंबर को इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, जिरीबाम, कांगपोकपी और बिश्नुपुर जिलों के सेकमाई, लामसांग, लामलाई, जिरीबाम, लीमाखोंग और मोइरांग पुलिस थाना इलाकों में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम लगाया था।

ज्ञातव्य है कि 16 नवंबर को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और 10 विधायकों के घरों पर हमले हुए। हालात बिगड़ने के बाद से 5 जिलों में कर्फ्यू और 7 जिलों में इंटरनेट सर्विस बंद है।

कुछ मंत्रियों सहित भाजपा के 19 विधायकों ने बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा है। सूत्रों के अनुसार अगले दो-तीन दिन में हालात और बिगड़े तो प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग सकता है।

ज्ञातव्य है कि शनिवार 16 नवंबर को जिरिबाम में बराक नदी के तट से दो महिलाओं और एक बच्चे का शव मिला था। शक है कि इन्हें 11 नवंबर को कुकी उग्रवादियों ने जिरीबाम से अपहृत किया था। ग्यारह नवंबर को ही सुरक्षाबलों ने 10 बंदूकधारी उग्रवादियों को मार डाला था। जबकि कुकी-जो संगठन ने इन 10 लोगों को विलेज गार्ड बताया था। पंद्रह नवंबर की रात भी एक महिला और दो बच्चों के शव मिले थे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मणिपुर में आपकी (भाजपा की) डबल इंजन सरकार है। ना मणिपुर एक है, ना मणिपुर सेफ है। मई 2023 से यह अकल्पनीय दर्द, विभाजन और बढ़ती हिंसा से गुजर रहा है, जिसने इसके लोगों का भविष्य नष्ट कर दिया है।

विरोध प्रदर्शन के चलते मणिपुर के पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है, जबकि सात जिलों में शनिवार शाम 5:15 बजे से दो दिन के लिए इंटरनेट बैन कर दिया गया है। ये जिले हैं- इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर।

गृह मंत्री शाह ने मणिपुर की समीक्षा की

नई दिल्ली, 17 नवंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की तथा शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया।

सूत्रों ने जानकारी दी। अमित शाह ने महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियां रद्द करके लौटने के तुरंत बाद यह बैठक की।

- अमित शाह ने राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिये हर संभव कदम उठाने के निर्देश दिये।

सूत्रों के अनुसार शाह आगे के कदमों पर सोमवार को शीर्ष अधिकारियों के साथ एक और विस्तृत बैठक करेंगे।

सरकार की ओर से यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब मणिपुर में महिलाओं और बच्चों के शव बरामद होने के बाद विरोध-प्रदर्शन और हिंसा के कारण स्थिति अस्थिर बनी हुई है। मणिपुर पिछले साल मई से ही जातीय संघर्ष से जूझ रहा है।

मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे ने "आप" की परेशानी बढ़ाई

पिछले कुछ महीनों में दिल्ली सरकार के दो मंत्री व दो विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं

- परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अपने त्यागपत्र में यमुना की सफाई तथा केजरीवाल के "शीश महल" के विवादों पर सवाल उठाया है।
- आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि गहलोत के ऊपर ई.डी., आयकर सहित तमाम तरीके के दबाव थे।

नयी दिल्ली, 17 नवंबर। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत द्वारा मंत्रिमंडल एवं आम आदमी पार्टी (आप) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने से पार्टी को बड़ा झटका लगा है। गहलोत ने आज इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक चिट्ठी भी लिखी है। उन्होंने पत्र में इस्तीफा देने की वजह लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं करना बताया है।

उन्होंने पत्र में लिखा है, शीशमहल जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद हैं जो अब सभी को संदेह में डाल रहे हैं कि क्या हम अभी भी आम आदमी होने में विश्वास करते हैं।अगर दिल्ली सरकार अपना अधिकांश समय केंद्र से लड़ने में बिताती है तो दिल्ली के लिए वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती। मेरे पास "आप" से अलग होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और इसलिए मैं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

गौरतलब है कि, पिछले कुछ महीनों में दिल्ली सरकार के दो मंत्री और दो विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं।

गहलोत ने मुख्यमंत्री आतिशी व केजरीवाल को लिखे पत्र में मंत्री पद छोड़ने के कारणों में यमुना की सफाई और नए बंगले के विवाद की बात भी कही। वहीं मुख्यमंत्री ने बिना विलंब गहलोत के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है।

उल्लेखनीय है कि, दिल्ली में विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 में प्रस्तावित हैं। इससे पहले गहलोत के एकाएक पार्टी छोड़ने से कई सवाल उठ रहे हैं। उनके भारतीय जनता पार्टी में जाने की अटकलें भी तेज हो गई हैं। फिलहाल इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि कैलाश गहलोत का मंत्रिमंडल और पार्टी से इस्तीफ़ा देना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गंदी राजनीति और षड्यंत्र का हिस्सा है।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को कहा कि आज भाजपा एक बार फिर अपने हथकंडे, घिनौनी राजनीति और षड्यंत्र में कामयाब हुई है। गहलोत के ऊपर लगातार भाजपा द्वारा दबाव बनाया जा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने लम्बी दूरी की हाइपरसॉनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

यह मिसाइल 1500 किलोमीटर की दूरी तक विभिन्न पेलोड ले जा सकती है

- देश की इस पहली मिसाइल को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मिसाइल कॉपलैक्स, हैदराबाद, की प्रयोगशालाओं, डी.आर.डी.ओ. की विभिन्न प्रयोगशालाओं तथा उद्योग भागीदारों ने स्वदेशी रुप से विकसित किया है।

नयी दिल्ली, 17 नवंबर। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबी दूरी की पहली हाइपरसौनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह परीक्षण शनिवार को देर रात ओडिशा के तट पर डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। इस हाइपरसौनिक मिसाइल को सशस्त्र बलों के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर विभिन्न पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मिसाइल को विभिन्न डोमेन में तैनात विभिन्न रेंज प्रणालियों द्वारा ट्रैक किया गया था। उड़ान डेटा ने सफल टर्मिनल युद्धाभ्यास और उच्च सटीकता के साथ प्रभाव की पुष्टि की है।

इस मिसाइल को डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद की प्रयोगशालाओं के साथ-साथ विभिन्न अन्य डी.आर.डी.ओ. प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।

उड़ान-परीक्षण डी.आर.डी.ओ. के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उड़ान-परीक्षण को ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसने भारत को महत्वपूर्ण और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों की क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के समूह में डाल दिया है। उन्होंने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डी.आर.डी.ओ., सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डी.आर.डी.ओ. के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल मिशन में सक्रिय योगदान देने वाली डी.आर.डी.ओ. की टीम को बधाई दी।

अमृतसर में तस्करी के हथियार व मादक पदार्थ बरामद

अमृतसर, 17 नवंबर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियारों के कार्टेल का भंडाफोड़ कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3.5 किलोग्राम हेरोइन, 1.5 किलोग्राम मेथाक्वालोन पाउडर और दो पिस्तौल समेत एक अत्याधुनिक 9एमएम ग्लॉक बरामद किया है।

- अमृतसर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान वंश उर्फ बिल्ला (23), निवासी बिल्ले वाला चौक, अमृतसर, और सोनू चौरसिया (20), निवासी दशमेश नगर, अमृतसर, के रूप में हुई है।

इस संबंधी मामले में थाना मोहकमपुरा में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

शिमला के रामकृष्ण मंदिर पर विवाद खड़ा हुआ

शिमला, 17 नवंबर। हिमाचल प्रदेश में संजौली मस्जिद विवाद के बाद अब शिमला में राम कृष्ण मिशन मंदिर पर विवाद शुरु हो गया। कहा जा रहा है कि मंदिर पर कब्जा करने के लिए शनिवार देर रात एक बजे के आस-पास ब्रह्मो समाज और रामकृष्ण मिशन के बीच जमकर मारपीट तोड़फोड़ और पथराव हुआ। इस दौरान पुलिस मूक दर्शक बनी हुई नजर आई। पथराव में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दो एफ.आई.आर. दर्ज की हैं जिनकी जांच जारी है।

- शनिवार रात एक बजे ब्रह्मो समाज तथा रामकृष्ण मिशन के बीच कब्जे को लेकर मारपीट, तोड़फोड़ व पथराव हुआ।

राम कृष्ण मिशन के लोगों का पक्ष है कि मंदिर का माली, कांग्रेस का एक नेता और कुछ अन्य लोग मंदिर पर कब्जा करना चाह रहे हैं, जबकि ब्रह्मो समाज ने 2014 से मंदिर धार्मिक कार्यों के लिए रामकृष्ण मिशन को दे रखा है और मामला सुप्रीम कोर्ट में भी विचाराधीन है लेकिन कांग्रेस सरकार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्तीसगढ़ मुठभेड़ में दो नक्सली डिप्टी कमांडर मारे गए

कांकेड़ जिले के मुसफर्सी गाँव के नजदीक हुई मुठभेड़ में एक घंटे गोलीबारी हुई

कांकेर, 17 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के कांकेर जिले के पखांजूर थाना क्षेत्र में रविवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बड़े कैडर के माओवादी मारे गए। यह मुठभेड़ जिले के मुसफर्सी काकुर गांव के नजदीक हुई, जहां दोनों पक्षों के बीच करीब एक घंटे तक गोलीबारी चलती रही।

- नक्सलियों का बड़ा ग्रुप मुफरसी के जंगलों में छिपा था। सर्च के दौरान नक्सलियों ने जवानों पर हमला किया।

मारे गए नक्सलियों की पहचान रंजीत और संतोष के रूप में हुई है, जो डिप्टी कमांडर रैंक के थे। इस मुठभेड़ को भी सुरक्षा बलों की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

शनिवार को हुई मुठभेड़ के बाद जवान माड़ इलाके में सर्च कर रहे थे। मुठभेड़ की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तत्काल क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों का एक बड़ा ग्रुप देर रात मुफरसी के जंगल में छिपा हुआ था। मौका देखते हुए नक्सलियों ने जवानों पर हमला कर दिया। पुलिस ने पहले से सतर्क रहते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ में जवानों को बड़ी सफलता मिली। इस मुठभेड़ में रंजीत और संतोष की मौत हो गई, जो लंबे समय से इलाके में सक्रिय थे और कई बड़े नक्सली हमलों में शामिल थे।

इन दोनों नक्सलियों के मारे जाने से नक्सली संगठन को एक बड़ा झटका लगा है। पुलिस ने घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और नक्सली साहित्य भी बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त के बाद स्पष्ट हो पाया कि उनके खिलाफ विभिन्न संगीन अपराधों के मामले दर्ज थे।

गौरतलब है कि शनिवार को छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गये थे जबकि सुरक्षा बलों के दो जवान घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से नक्सलियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार भी बरामद किए।

हिजबुल्लाह का मुख्य प्रवक्ता मोहम्मद अफीम मारा गया

तेल अवीव, 17 नवंबर। इज़रायली सेना ने चंद घंटों में ही इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर हुए हमले का चरमपंथियों से बदला ले लिया है। अभी कुछ देर पहले चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला का मुख्य प्रवक्ता मध्य बेरूत में इज़राइली हमले में मारा गया है। हिजबुल्ला के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि रविवार को हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने "द साबरमती रिपोर्ट" फिल्म की प्रशंसा की

नई दिल्ली, 17 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2002 के गोधरा कांड पर बनी फिल्म "द साबरमती रिपोर्ट" की तारीफ की है। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, यह अच्छी बात है कि यह सच्चाई सामने आ रही है, और वह भी एक ऐसे तरीके से जिससे आम लोग इसे देख सकें। एक फर्जी कहानी सीमित समय तक ही चल सकती है। आखिरकार, सच हमेशा सामने आते हैं!

प्रधानमंत्री ने विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा सहित अन्य

- यह फिल्म गोधरा कांड पर बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी की।

कलाकारों द्वारा अभिनीत फिल्म की प्रशंसा करते हुए यह टिप्पणी एक एक्स यूज़र की फिल्म पर प्रतिक्रिया देते हुए की। यूज़र ने अपनी समीक्षा में कहा इस फिल्म को जरूर देखें। यूज़र ने कहा कि निर्माताओं ने 2002 के गोधरा कांड के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए सराहनीय काम किया है। गोधरा कांड में महिलाओं और बच्चों सहित 59 लोगों की जान चली गई थी।

"द साबरमती रिपोर्ट" का निर्देशन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका गांधी ने दावा किया, मोदी सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं

उन्होंने यह बात चुनाव सभा में भाजपा के नारे, "एक हैं तो सुरक्षित हैं" की प्रतिक्रिया में कही

- प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी के एक दशक के शासनकाल में किसान, मजदूर, महिला या युवा, कोई भी सुरक्षित नहीं है, केवल उद्योगपति गौतम अडानी सुरक्षित हैं।

गढ़ चिरौली, 17 नवंबर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आयोजित चुनावी सभाओं के दौरान दिए गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के, "एक हैं तो सुरक्षित हैं" नारे की आलोचना करते हुए रविवार को दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। वाड्रा ने कहा कि एक दशक के शासनकाल में देश में किसान हो, मजदूर हो, महिला हो या युवा, अगर कोई सुरक्षित है तो वह सिर्फ उद्योगपति गौतम अडानी हैं।

प्रियंका ने कांग्रेस-महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) उम्मदवारों के लिए आयोजित एक चुनावी सभा में जनता से अपील की कि वे विधानसभा चुनाव में सावधानी से मतदान करें और ऐसी सरकार चुनें जो जनता के हित में काम करे, उद्योगपतियों के हित में नहीं।

कांग्रेस नेता ने अपने भाषण में भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के हित को देखकर विभिन्न राज्यों में बड़े-बड़े संस्थान, कारखाने, बंदरगाह, शैक्षिणक संस्थान, अस्पताल स्थापित किए। कांग्रेस की सरकारों ने कभी भी विकास कार्यों में राज्यों के साथ भेदभाव नहीं किया, लेकिन पिछले 11 वर्षों से देश में भेदभाव की राजनीति चल रही है।

उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने महाराष्ट्र में आने वाली बड़ी परियोजनाओं को गुजरात और अन्य भाजपा शासित राज्यों में भेजकर महाराष्ट्र के साथ भेदभाव किया है। नतीजतन, महाराष्ट्र में बेरोजगारी बढ़ गई है, यहां तक कि 2.5 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं।

उन्होंने बताया कि अनुबंध के आधार पर भी भर्ती की जा रही है। इसके अलावा देश के सभी हवाई अड्डे, बंदरगाह, कारखाने, जमीनें एक उद्योगपति को दे दी गई हैं। इसके अलावा, राज्य में किसान मुसीबत में हैं, क्योंकि उन्हें अपनी कृषि उपज की कीमत नहीं मिल रही है, उन्होंने बताया कि कपास और सोयाबीन की कीमतें पिछले 10 वर्षों में नहीं बढ़ी हैं।

वाड्रा ने कहा कि इसके विपरीत, पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान सोयाबीन की कीमत 7,000-8,000 रुपये थी, जो आज केवल 4,000 रुपये है। इसी तरह प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण 50 लाख टन प्याज बर्बाद हो गया। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप किसानों की आय नहीं बढ़ रही है और कृषि आदानों पर जीएसटी लगाकर उन्हें लूटा जा रहा है।

आदिवासियों की बात करते हुए वाड्रा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए पेसा कानून बनाया, इसके विपरीत आज भाजपा शासित राज्यों में आदिवासियों पर अत्याचार हो रहा है। महाराष्ट्र में चार लाख आदिवासियों ने भूमि पार्सल के लिए आवेदन किया था, जिनमें से दो लाख के आवेदन खारिज कर दिए गए। इसी तरह देशभर में 22 लाख आदिवासियों के आवेदन खारिज कर दिए गए।

उन्होंने महाराष्ट्र में सरकार गठन की बैठक में उद्योगपति अडानी की मौजूदगी का जिक्र करते हुए मोदी और भाजपा पर राज्य सरकार चुराने का भी आरोप लगाया।

दिल्ली में सोमवार को मौसम विभाग का ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली, 17 नवंबर। मौसम विभाग ने सोमवार (18 नवंबर) के लिए दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार सोमवार को दिल्ली में घना कोहरा पड़ सकता है। वहीं, लगातार खराब होती हवा के चलते सोमवार (18 नवंबर) से दिल्ली में ग्रैप-4 लागू करने का फैसला किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली में ठंड बढ़ने के संकेत भी मिले हैं। उत्तरी राज्यों में बर्फबारी हो रही है और रविवार रात नोएडा में तेज हवाएं चल रही हैं। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में दिल्ली एनसीआर में कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है। दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान,

- उत्तरी राज्यों में बर्फबारी से दिल्ली में ठंड बढ़ेगी, घना कोहरा पड़ सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

किताबों में वजन होता है! ये यूँ ही किसी के जीवन की दशा और दिशा नहीं बदल देतीं। –इला प्रसाद

शिक्षा में कृत्रिम बुद्धि : वरदान या अभिशाप

बहुत सारे लोग हर नई चीज़ को संदेह की नज़र देखते हैं। वे आशंकित रहते हैं कि जैसे ही कुछ नया उनके जीवन में आएगा, कुछ न कुछ अनिष्ट करेगा। याद कीजिए, जब मुद्रण चलन में आया तो कुछ को लगा कि इससे ज्ञान ग़लत हाथों में पहुंच जाएगा। जब ध्वनि मुद्रण (रिकॉर्डिंग) की शुरुआत हुई तो हमारे बहुत सारे बड़े गायक–गायिकाओं ने इससे दूरी बरती। जब कंप्यूटर के आने की आहटें सुनाई दी तो इन पंक्तियों के लेखक सहित बहुतों को लगा कि इससे भयंकर बेरोज़गारी का कहर टूट पड़ेगा। समय इस बात का साक्षी है कि बावज़ूद कुछ आशंकाओं के सही साबित होने के, मानवता ने सारे बदलावों को न केवल अपनाया, उनसे अपने जीवन को सुगम और बेहतर भी बनाया। सोचिये, क्या आज आप कंप्यूटर विहीन जीवन की कल्पना भी कर सकते हैं?

आज फिर इतिहास अपने आप को दुहरा रहा है। दुनिया भर में एक नई सुविधा ने हलचल मचा रखी है। इसका नाम है कृत्रिम बुद्धि। वैसे तो इस पर काम काफी पहले शुरू हो गया था लेकिन हाल के वर्षों में इसका बहुत तेज़ी से प्रसार हुआ है। तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान गूगल की एक अधिकारी के अनुसार कृत्रिम बुद्धि विषयक गूगल की सुविधाओं का उपयोग करने में भारतीय सबसे आगे हैं। मज़े की बात यह कि हम ऐसी बहुत सारी सुविधाओं का जिनके बारे में शायद हममें से बहुतों को यह बात पता भी नहीं है कि वे कृत्रिम बुद्धि आधारित हैं, न केवल उपयोग करते हैं, वे हमारे लिए अपरिहार्य भी हो चुकी हैं।

जीवन के तमाम क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धि का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। कला–साहित्य–संस्कृति सब इससे लाभान्वित और प्रभावित हो रहे हैं। आप अपनी कल्पना के अनुसार चाहे जैसी तस्वीर रच सकते हैं, गाना बना सकते हैं, लेख लिख सकते हैं। कहना अनावश्यक है कि इस तकनीक और कौशल के बहुत सारे ख़तरे हैं। लेखक को लग सकता है कि अगर यह सब अधिक चलन में आ गया तो उसका क्या होगा? कृत्रिम बुद्धि का प्रयोग कर आप एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद कर सकते हैं। बहुत सारे लोग करते भी हैं। तो क्या सारे अनुवादक बेरोज़गार हो जाएंगे? ऐसे बहुत सारे सवाल हर रोज़ उठते रहते हैं।

कृत्रिम बुद्धि के प्रयोग से जो बहुत सारे क्षेत्र उत्तेजित, प्रसन्न और आशंकित हैं उनमें से एक बहुत बड़ा क्षेत्र शिक्षा का है। शिक्षा की दुनिया में इस नई सुविधा को लेकर बहुत सारी उम्मीदें और आशंकाएं दोनों हैं। इस बात पर बहुत सारे विमर्श हो रहे हैं कि क्या निकट भविष्य में कृत्रिम बुद्धि शिक्षकों को विस्थापित कर देगी? क्या कृत्रिम बुद्धि शिक्षा के प्रसार पर होने वाले मानवीय श्रम और व्यय को घटा देगी? क्या कृत्रिम बुद्धि शिक्षक के सहायक के रूप में सामने आएगी? क्या यह शिक्षा का पूरा चेहरा ही बदल कर रख देगी? अगर कृत्रिम बुद्धि से थोड़ा पीछे चलकर देखें तो तकनीक ने काफी कुछ बदला है। मोटे–मोटे और कई खण्डों वाले विश्व कोश लगभग अप्रासंगिक हो गए हैं। किसी जानकारी को हासिल करने के लिए आपको पुस्तकालय तक जाने की ज़रूरत लगभग ख़त्म हो गई है। सब कुछ आपकी हथेली में आ गया है। जिन चीज़ों को याद करने में हमें बहुत सारी ऊर्जा लगानी पड़ती थी, अब उन्हें याद रखने की ज़रूरत ही समाप्त हो गई है। ऐसे बहुत सारे बदलाव हुए हैं। ये बदलाव सकारात्मक हैं या नकारात्मक, इस बात से अलग हटकर इस बात को देखें कि ये बदलाव हो चुके हैं। आज कोई पहाड़े याद नहीं करता, क्योंकि यह सारा काम अधिक दक्षता और तीव्रता से कैलक्युलेटर कर देता है। आज मुझे अपने चार आत्मीयों के फ़ोन नम्बर भी याद नहीं हैं, क्योंकि ऐसा करने की कोई ज़रूरत ही नहीं रह गई है। ऐसे अनगिनत बदलाव हमारे चाहे अनचाहे हमारी ज़िंदगी का अभिन्न अंग बन चुके हैं।

कृत्रिम बुद्धि आधारित शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों की सीखने की गति, समझने की क्षमता और उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार शिक्षा सामग्री को अनुकूलित कर सकती हैं। इससे अलग-अलग क्षमताओं वाले विद्यार्थियों को उपयुक्त स्तर की शिक्षा देना सम्भव होगा, जो वर्तमान व्यवस्था में प्रायः सम्भव नहीं है।

तो यह बात तो सुनिश्चित है कि शिक्षा में कृत्रिम बुद्धि को आना ही है। बल्कि वह आने लगी है। भविष्य में उसका प्रयोग और ज़्यादा बढ़ने वाला है। जब मैं भारत के संदर्भ में विचार करता हूं तो पाता हूं कि इस बात के दोनों ही पक्ष हैं। कृत्रिम बुद्धि अगर हमारी शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाएगी, तो उसके लिए कुछ चुनौतियां भी खड़ी करेगी। आइये, हम इन दोनों पक्षों पर विचार करते हैं। पहले सकारात्मक पक्ष को लें। मुझे कृत्रिम बुद्धि की सबसे बड़ी सुविधा इस बात में नज़र आ रही है कि वर्चुअल ट्यूटर या चैटबॉट के माध्यम से विद्यार्थी किसी भी समय व कहीं भी अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। इस सुविधा के लिए उन्हें विद्यालय परिसर में होना आवश्यक नहीं होगा। अगर वे अस्वस्थ हैं और घर पर हैं, या और किसी कारण से अवकाश पर हैं तो भी इस सुविधा से अपने अध्ययन को निर्बाध ज़ारी रख सकेंगे। इससे जुड़ा एक और लाभ यह भी है कि इस तकनीक का उपयोग शिक्षा को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाने के लिए भी किया जा सकता है। इससे उन विद्यार्थियों को भी शिक्षा मिल सकती है, जो किसी न किसी वजह से विद्यालय तक जा सकने में समर्थ नहीं हैं। कृत्रिम बुद्धि आधारित शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों की सीखने की गति, समझने की क्षमता और उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार शिक्षा सामग्री को अनुकूलित कर सकती हैं। इससे अलग–अलग क्षमताओं वाले विद्यार्थियों को उपयुक्त स्तर की शिक्षा देना सम्भव होगा, जो वर्तमान व्यवस्था में प्राय: सम्भव नहीं है। मुझे कृत्रिम बुद्धि का अधिक सार्थक उपयोग अध्यापन से अधिक आकलन और मूल्यांकन में नज़र आता है। इसकी मदद से विद्यार्थियों की प्रगति का डेटा विश्लेषण करके उनकी कमजोरियों और ताकतों को जाना जा सकता है, और यह जानने के बाद उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण विधियां तैयार की जा सकती हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था की जो सबसे बड़ी कमज़ोरी है– मूल्यांकन का पक्षपात विहीन होना, उससे यह तकनीक काफी हद तक मुक्ति दिला सकती है। इस तकनीक का प्रयोग उत्तर पुस्तिकाओं के स्वचालित मूल्यांकन में किया जा सकता है, जिससे न केवल शिक्षकों का कार्यभार कम होगा मूल्यांकन प्रक्रिया में मानवीय त्रुटियों और दुष्टताओं की संभावना घटेगी। अगर कोई मुझसे पूछे तो मैं इसे कृत्रिम बुद्धि का सबसे बड़ा योगदान कहना चाहूंगा। ऐसी और अनेक सुविधाएं हैं जो कृत्रिम बुद्धि के प्रयोग से हमारी शिक्षा व्यवस्था को प्राप्त होने की सम्भावनाएं हैं। जैसे–जैसे कृत्रिम बुद्धि के अनुप्रयोग विकसित होंगे, इन सुविधाओं का भी विकास और विस्तार होगा।

अब थोड़ी बात चुनौतियों की भी कर ली जाए। सबसे पहली बात तो यह है कि हमारे पास साधनों की बहुत कमी है। कृत्रिम बुद्धि के प्रयोग के लिए डिजिटल उपकरण की आवश्यकता होती है और उसके परिचालन के लिए इण्टरनेट की निर्बाध ज़रूरत होती है। क्या हम इसके लिए पूरी तरह सक्षम हैं? केवल इतना ही नहीं, हमारे यहां तो बात–बात पर कानून और व्यवस्था के नाम पर इंटरनेट सुविधाओं को स्थगित करने का चलन है। ये सारी बातें इस सुविधा का कितना लाभ लेने देंगी? फिर यह भी विचारणीय है कि क्या हमारा शिक्षक समुदाय, विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों का शिक्षक समुदाय इस सुविधा का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए समुचित रूप से प्रशिक्षित हो पाएगा? और अगर हो भी गया तो क्या वह इस नवाचार के प्रयोग में रुचि लेगा? तीसरी बड़ी चुनौती हमारी भाषिक विविधता को लेकर है। यह सही है कि तकनीक पर अब केवल अंग्रेज़ी का वर्चस्व नहीं रह गया है और अनेक भारतीय भाषाओं का समर्थन उसे प्राप्त है, फिर भी देश की ज़्यादातर भाषाओं का समर्थन तकनीक को मिलने में अभी काफी समय लगेगा। यह समर्थन मुख्यत: निजी क्षेत्र ही उपलब्ध करा रहा है और जहां उसे अपना लाभ नज़र नहीं आएगा, वहां वह ऐसा क्यों करेगा? शिक्षा में कृत्रिम बुद्धि के बढ़ते हस्तक्षेप को लेकर जो सबसे बड़ी आशंका मेरे मन में है वह यह है कि इससे मानवीय स्पर्श घटता जाएगा, और यह एक बहुत बड़ी दुर्घटना होगी। मैं मानवीय स्पर्श रहित शिक्षा को बहुत बड़े ख़तरे के रूप में देखता हूं। मुझे आशंका है कि इस तरह की शिक्षा से हम जो पीढ़ी तैयार करेंगे वह हमारी बहुत सारी अपेक्षाओं की कसौटी पर खरी नहीं उतरेगी।

यहां मैंने शिक्षा में कृत्रिम बुद्धि के उपयोग को लेकर दोनों पक्षों को सामने रखने का प्रयास किया है। एक ख़ास बात यह है कि ऐसा करने में मैंने ख़ुद भी कृत्रिम बुद्धि का थोड़ा सहयोग लिया है। मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि दोनों ही पक्षों की जो बातें मैंने की हैं, वे अनंतिम हैं। परिदृश्य बहुत तेज़ी से बदल रहा है। हर रोज़ नई सुविधाएं सामने आ रही हैं। इसलिए यह बात भविष्य ही बताएगा कि कृत्रिम बुद्धि शिक्षा के लिए वरदान साबित होती है या अभिशाप!

(बेंगलुरु प्रवास से)

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

मान्यता का चक्रव्यूह

राजेन्द्र भाणावत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने देश के प्रबुद्ध नागरिकों, विशेषकर वरिष्ठजनों से यह अपील की थी कि वे सरकार के सामाजिक कार्यों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य आदि में अपना सहयोग प्रदान करें। इसी आव्हान से उत्साहित होकर अंग्रेजी की एक सेवानिवृत प्रोफेसर ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर, अपनी स्वैच्छिक संस्था के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित वर्ग की बालिकाओं के साथ काम करने का निर्णय लिया। पहले तो उन्होंने सरकार द्वारा संचालित समाज कल्याण विभाग के आवास गृहों में रह रही बालिकाओं को काउंसलिंग और कौशल प्रदान करने का काम किया। इसके बाद, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की राजकीय विद्यालय में पढ़ने वाली सातवीं से दसवीं तक की बालिकाओं को विद्यालय समय के बाद, विज्ञान, कंप्यूटर, अंग्रेजी और गणित में शिक्षण देना का काम किया। इसके परिणाम स्वरूप जो लड़कियां 40–50 प्रतिशत अंक प्राप्त करती थीं, वे 80– 90 प्रतिशत अंक बोर्ड की परीक्षाओं में ला सकीं। इसी प्रकार का काम इस संस्था ने जयपुर की अत्यंत निर्धन परिवारों की लड़कियों के साथ भी किया। यहां भी बड़े उत्साहवर्धक परिणाम आए। संस्था द्वारा शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के साथ ही बालिकाओं में विभिन्न प्रकार के जीवन कौशल भी विकसित किए गए। इसी कारण ये बालिकाएं अब पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे का अध्ययन कर रही हैं।

गत वर्ष इस संस्था ने छोटे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से एक शिक्षण केंद्र प्रारंभ किया। इसमें घरों में काम करने वाली बाइयों, दिहाड़ी मजदूरी करने वाले परिवारों के चार से दस वर्ष के बालक बालिकाओं को पढ़ाई–लिखाई के साथ सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करने का कार्य प्रारंभ किया। इन्होंने इस कार्य के लिए कुछ समर्पित शिक्षिकाओं को भी अपने साथ जोड़ा, जिन्हें सरकारी शिक्षकों की तुलना में बहुत कम मानदेय दिया जाता है। इस संस्था का संचालन केवल अपने परिचितों और मित्रों से प्राप्त सहायता राशि से ही किया जा रहा है। इस केंद्र की लोकप्रियता के कारण कई बच्चों ने सरकारी विद्यालय, जहां मिड डे मील भी मिलता है, छोड़कर इस शिक्षण केंद्र में प्रवेश लिया। वर्तमान में यहां लगभग 90 प्रतिशत बच्चे नामांकित हैं । इन्हें समय–समय पर सहयोगकर्ताओं द्वारा अच्छा रुचिकर नाश्ता अवश्य दिया जाता है।

कुछ अभिभावकों के आग्रह पर, संस्था के पदाधिकारियों ने इस केंद्र को प्राथमिक विद्यालय में परिवर्तित करने की सोची। इस संस्था द्वारा प्राथमिक विद्यालय के रूप में मान्यता का प्रयास डेढ़ वर्ष से किया जा रहा है और अब तक सफल नहीं हो पाई है। इसी की व्यथा और कथा का उल्लेख इस लेख में करने का प्रयास किया गया है, ताकि सरकार में बैठे लोग यह समझ सकें कि क्यों मन से समाज सेवा करने वाले लोग, आसानी से समाज सेवा के कार्य में सरकार के साथ नहीं जुड़ पाते?

मान्यता के लिए जब जयपुर स्थिति शिक्षा संकुल में पता किया, तो बताया गया कि आजकल सारा काम ऑनलाइन होता है और मान्यता के लिए प्रार्थना पत्र पोर्टल पर ही देना होता है, जो निश्चित अवधि में ही उपलब्ध होता है। चूंकि, यह अवधि गत वर्ष समाप्त हो चुकी थी, वर्ष 2023– 24 में ऐसा करना संभव नहीं हो पाया। इस कार्यवाई को फिर इस सत्र में करने की कोशिश की गई। कई प्रकार की विस्तृत जानकारियां पोर्टल पर डालनी थी और कई दस्तावेज भी अपलोड करने थे जैसे किराया अनुबंध, भवन का पी डब्लू डी से अनुमोदित मानचित्र, कमरों की संख्या, शिक्षकों की संख्या एवं संस्था का विस्तृत विवरण आदि–आदि। ये सब सूचनाएं पोर्टल पर डाल दी गईं, इस अपेक्षा में कि शीघ्र मान्यता मिल जाएगी। यह भ्रम शीघ्र ही दूर हो गया। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भी कोई प्रगति नहीं हो पा रही थी।अचानक एक दिन शिक्षा संकुल से एक लिपिक का फोन संस्था के सचिव के पास आया कि आपके द्वारा अपलोड किए गए कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं हो रहे हैं, अत: आप किसी के साथ उनकी हार्ड कॉपी भिजवा दें। संस्था के सचिव ने सारे पत्रों और दस्तावेजों की एक प्रति लगाते हुए पूरी पत्रावली शिक्षा संकुल में संबंधित कार्यालय के पास भिजवा दी। इसके बावजूद कुछ समय बाद उसी लिपिक का फिर फोन गया कि उनके द्वारा दी गई पत्रावली में कई सारे दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं।

उल्लेखनीय है कि संस्था की सचिव और अध्यक्ष मेरे निकट के परिचित हैं, अत: मैने उनकी सहायता करने की दृष्टि से शिक्षा संकुल के संबंधित लिपिक से बात की और इस कार्य में सहायता करने का आग्रह किया। उन्होंने तत्काल यह स्वीकार कर लिया कि उनके पास सारे दस्तावेज उपलब्ध हो गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पूरी पत्रावली को निदेशालय, बीकानेर में भेजा जाएगा और वहां से मान्यता का पत्र प्राप्त होगा। अभी तक मुझे यह समझ में नहीं आया कि जब सारी कार्रवाई पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन होनी चाहिए थी तो सारी सूचनाओं की हार्ड कॉपी क्यों मांगी जा रही थी? खैर, क्योंकि संस्था के हित में काम करना था, अत: जैसा मांगा गया, वह उन्हें दे दिया गया था। शिक्षा विभाग के अधिकारी इस शिक्षण केंद्र को देखकर गए थे।

चूंकि मैं व्यक्तिगत रूप से इस शिक्षण केंद्र को देखता रहा हूं, मैं पूरे विश्वास के साथ यह कह सकता हूं कि सभी शिक्षक मनोयोग से वंचित वर्ग के बालक बालिकाओं को न केवल भाषा एवं गणितीय शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, अपितु उनके सर्वांगीण विकास हेतु जीवन कौशल की आवश्यक क्षमताएं भी उनमें विकसित कर रहे हैं।

बीकानेर निदेशालय में पत्रावली पहुंचने के बाद भी जब कई दिनों तक कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई तो मैंने अपने स्तर पर इस बारे में जानकारी करने का प्रयास किया। विभिन्न स्तरों पर बात करने के साथ ही निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा से भी आग्रह किया, क्योंकि एक पुनीत कार्य में सहयोगी बनने की इच्छा मेरे मन में थी। उनसे बात करने का भी कोई असर नहीं हुआ और किसी भी प्रकार के कोई अनुमोदन की सूचना वहां से प्राप्त नहीं हुई। कुछ समय बाद, पोर्टल पर यह दिखने लगा कि उनके प्रस्ताव में अनेक प्रकार की आपत्तियां हैं, पाठकों के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि संस्था के इस केंद्र पर 5 शिक्षिकाएं कार्यरत हैं जबकि अधिकांश राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में एक या दो शिक्षक हैं।

कैसी विडंबना है कि जो शिक्षा अधिकारी एक समर्पित स्वैच्छिक संस्था के प्रस्ताव में हर तरह की अड़चन डालने का प्रयास कर रहे हैं, उन्होंने सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालयों को शायद कभी देखा ही नहीं है! अधिकांश विद्यालय एक या दो कमरे में चलते हैं एवं बहुत ही गंदगी के वातावरण में संचालित हैं, किंतु जब उन्हें किसी संस्था द्वारा संचालित शिक्षण केंद्र को प्राथमिक विद्यालय के रूप मान्यता प्रदान करने का अवसर मिला तो अपनी सारी विद्वता इसी में लगा दी कि, कैसे इस काम को रोका जाए? बाद में, किसी ने यह भी बताया कि यदि आपके स्कूल का निरीक्षण करने के लिए जो शिक्षा अधिकारी आए थे, उनकी ठीक तरह 'आवभगत' कर ली गई होती, तो आपको शीघ्र मान्यता मिल चुकी होती।

इस कथन में कितनी सच्चाई है, यह कहना तो कठिन है। इस संस्था के पदाधिकारी, प्रारंभ से नैतिक मूल्यों के वाहक रहे हैं और इसी के आधार पर पूरी समर्पण भावना से काम कर रहे हैं, इसीलिए उन्हें यह अनैतिक तरीका कतई मंजूर नहीं था। शायद इसी कारण, उन्हें अब तक मान्यता नहीं मिली है और आगे भी मिलने की संभावना कम ही है। यह पूरा विवरण, विस्तृत रूप से देने का एक ही कारण है कि सरकार, स्वैच्छिक कार्य करने वालों को यदि प्रोत्साहित न भी करे, तो कम से कम उन्हें हतोत्साहित और प्रताड़ित तो न करे। मैंने तो प्रारंभिक निदेशक को यह आग्रह किया था कि वह जब जयपुर आएं तो इस शिक्षण केंद्र को स्वयं देख लें। उन्हें यह स्पष्ट हो जाएगा कि इसमें पढ़ने वाले बच्चों का शैक्षिक स्तर, अधिकांश सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की तुलना में कहीं बेहतर है। खैर, वे नहीं आए। शायद उनकी रुचि भी नहीं थी, इसलिए उनका आना न हो पाया।

अब मैं इसे सरकार और समाज के प्रबुद्ध वर्ग पर छोड़ता हूं कि इस प्रकार के घटनाक्रम से समाज में क्या संदेश जाता है? इस आलेख का उद्देश्य, किसी व्यक्ति विशेष पर लांछन लगाना नहीं है, किंतु कुल मिलाकर जो सरकारी प्रक्रिया और मानसिकता है उस पर तो प्रश्न चिन्ह स्वत: लगता ही है। इस प्रकार की मानसिकता के चलते, प्रधानमंत्री के द्वारा किए गए आव्हान के बावजूद, कितने लोग समाज सेवा के पुनीत कार्य से जुड़ पाएंगे, कहना कठिन है। इसे हम देश का दुर्भाग्य ही कहेंगे कि विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली अनेक संस्थाएं, इच्छा के बावजूद देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने में संकोच करने लगी हैं। इन लोगों को कुछ नहीं चाहिए, बस केवल सरकार का प्रोत्साहन और उसके अधिकारियों का अच्छा व्यवहार चाहिए। काश ऐसा हो पाता ......

तो, यह थी मान्यता की व्यथा और कथा। यदि पाठकों में से कोई इस बारे में अपनी राय व्यक्त करना चाहें तो वे इस समाचार पत्र के संपादक के माध्यम से मुझ तक पहुंचा सकते हैं। हम सबको मिलकर इस स्थिति में सुधार करना ही होगा। तब ही हम, इन निर्धन, वंचित वर्ग के बच्चों के प्रति अपना दायित्व सही रूप में निर्वहन कर पाएंगे और विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभा पाएंगे।

–राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

पी.ओ.पी. फैक्टरियों के धुएं से खारा गांव के ग्रामीण परेशान

- **प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने जब यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स नापा तो 900 आया, जो पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा है**
- **गांव में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर जा पहुंचा है इसका मुख्य कारण गांव से सटी 40 से अधिक पीओपी फैक्ट्रियों से निकलने वाला धुआं बताया जा रहा है**

बीकानेर, (निसं)। सुमित्रा श्वास की बीमारी से पीड़ित होने के कारण तीन महीने से स्कूल नहीं जा पा रही है। सुरेश पारीक की पत्नी संतोष और उनके तीन भतीजे भी दमा से परेशान हैं। ऐसे हालात खारा औद्योगिक क्षेत्र से सटे खारा गांव में हर घर के हैं। प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने जब वहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स नापा तो 900 आया, जो पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा है। गांव में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर जा पहुंचा है। इसका मुख्य कारण गांव से सटी 40 से अधिक पीओपी फैक्टरियों से निकलने वाला धुआं बताया जा रहा है।

गजे सिंह सिसोदिया, महावीर सिंह, ओमाराम प्रजापत, पूरण सिंह, दूलाराम, चंद्र सिंह, मांगीलाल ने बताया कि गांव में चौबीस घंटे घुटन महसूस होती है। खुली हवा में सांस लेना दूभर हो गया है। शाम से लेकर सुबह 10 बजे तक आसमान में धुएं की गर्द छायी रहती है। फैक्ट्री से 10 मीटर दूर रहने वाले रामूराम के 70 वर्षीय पिता छोगाराम और पांचों बच्चे भी बीमार हैं। छैलू सिंह ने बताया कि उसकी बेटी सुमित्रा के दमे का इलाज चल रहा है। तीन महीने से स्कूल नहीं जा पा रही। उसे घर में ही रखना पड़ता है। बेटे को हर वक्त इनहेलर पर निर्भर रहना पड़ता है।

सरपंच भैरूसिंह राठौड़ ने बताया कि 1500 घरों के इस गांव की आबादी करीब 12 हजार है। हर घर में दो–तीन सदस्य श्वास की बीमारी से पीड़ित हैं। कुछ के शरीर पर लाल चकत्ते भी निकलने लगे हैं। प्रशासन को कई बार हालात बता चुके हैं, लेकिन प्रदूषण फैलाने वाली फैक्टरियों को बंद कराना तो दूर कोई संभालने तक नहीं आता। सरकारी स्कूल के चार सौ से अधिक बच्चे और स्टाफ भी बुरी तरह परेशान हैं।

खारा गांव में वायु प्रदूषण की जांच के लिए प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने तीन अलग–अलग लोकेशन पर लोगों के घरों पर मशीन लगाई है। इससे 10 दिन तक वायु प्रदूषण चेक किया जाएगा। पिछले एक सप्ताह का एयर क्वालिटी इंडेक्स औसत 900 रिकॉर्ड किया गया है। यह मानक चौंकाने वाला है। मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार मीणा का कहना है कि यह मानक प्रदेश में सबसे ज्यादा और अविश्वसनीय है। गांव से सटी 40 पीओपी फैक्ट्रियों के कारण ये हालात है। यहां से दो–तीन किमी की दूरी पर एक्यूआई 200 से 300 से बीच है। गांव के हालात को देखते हुए सर्वे किया जा रहा है।

रीको औद्योगिक क्षेत्र में करीब 500 उद्योग हैं, जिनमें से 125 पीओपी की फैक्ट्रियां हैं। सालों पहले खारा गांव की सीमा में मिनरल जोन बनाया गया था। 125 में से 40 फैक्ट्रियों को उस जोन में भूखंड दिए गए थे। उस समय गांव की आबादी कम थी। अब आबादी मिनरल जोन के करीब आ गई है। दोनों के बीच केवल एक सड़क का ही फासला है। जब हवा गांव की तरफ होती है तो सांस लेना भी दूभर हो जाता है। प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी का कहना है कि सभी फैक्ट्रियां एक साथ चलती हैं। गांव में वायु प्रदूषण का मानक 900 एक्यूआई आना इसका सबसे बड़ा कारण है।

प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अनुसार खारा गांव से सटे मिनरल जोन को अन्यत्र शिफ्ट करना ही इस समस्या का समाधान है। दरअसल यह समस्या पिछले तीन सालों में ही पैदा हुई है। पिछले साल मई में संभागीय आयुक्त ने इस मुद्दे पर बैठक भी बुलाई थी। उस बैठक में 40 फैक्ट्रियों को अन्यत्र शिफ्ट करने पर चर्चा हुई थी, लेकिन उस पर अमल नहीं हो पाया और मामले को दबा दिया गया।

पीबीएम के श्वसन रोग विभाग के प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद ठकराल का कहना है कि दमा, सीओपीडी का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है। पीओपी की फैक्टरियों से निकलने वाला धुआं श्वास संबंधी बीमारियों का कारण बन रहा है। वहीं, पीबीएम हॉस्पिटल के वरिष्ठ स्किन रोग विशेषज्ञ डॉ. आरडी मेहता का कहना है कि धुएं के कारण त्वचा संबंधी बीमारियां नहीं होती। इसका कारण कुछ और हो सकता है।

परविंद्र सिंह राठौड़, अध्यक्ष, खारा उद्योग संघ ने बताया कि मिनरल जोन रीको ने काटा था। उस वक्त उन्हें गांव की सीमा का ध्यान रखना चाहिए था। अब पॉल्यूशन विभाग की गाइड लाइन के तहत पीओपी वाले काम कर रहे हैं। सबसे बड़ी सफाई की समस्या है। गाड़ियों का पॉल्यूशन काफी ज्यादा है। रीको को सड़कों की सफाई करानी चाहिए।

राजकुमार मीणा, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल बीकानेर का कहना है कि खारा गांव के पास पीओपी की 40 फैक्टरियों से निकलने वाले धुएं से सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण फैल रहा है। उन्हें बंद कर दूसरी जगह शिफ्ट करना ही समस्या का समाधान है। हमारा सर्वे चल रहा है। अगले सप्ताह तक इसकी रिपोर्ट प्रशासन, रीको और सरकार को भेज दी जाएगी।

जैसलमेर में सैलानियों से ठगी करने वाले 73 रिसॉर्ट्स पर केस दर्ज

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सम सैंड ड्यून्स में रिसॉर्ट्स की ऑनलाइन बुकिंग करके पर्यटकों के साथ ठगी की जा रही है। ट्रैवल वेबसाइट्स पर ऐसे फेक टेंट रिसोर्ट्स दिखाए जा रहे हैं जो वास्तविकता में धरातल पर हैं ही नहीं। पुलिस ने ऐसे 73 फर्जी रिसॉर्ट्स के खिलाफ मामला दर्ज कर किया है। इसके साथ ही पुलिस ने बुकिंग डॉट कॉम, अगोडा, मेक माय ट्रिप, ट्रिप एडवाइजर, यात्रा डॉट कॉम सहित विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर रिसॉर्ट्स को लिस्टेड करने वाली कंपनियों को भी ऐसे फर्जी रिसॉर्ट्स को वेबसाइट से हटाने को लिखा है।

गौरतलब है कि सम में वास्तविकता में तो 150 के करीब रिसोर्ट हैं। लेकिन अलग–अलग ऑनलाइन वेबसाइट पर 400 से ज्यादा दिखा रहे हैं। यहां गूगल भी धोखा दे देता है। खाली जमीन पर भी रिसोर्ट बता रहा है। जबकि वास्तविकता में वहां कुछ भी नहीं है। ऐसे में यहां आने वाले सैलानी ऑनलाइन रिसोर्ट बुक कर धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। फेक रिसोर्ट्स चलाने वाले इतने शातिर है कि उन्होंने गूगल मैप पर रिसोर्ट की लोकेशन भी सेट करवा रखी है। गूगल की तरफ से बाईपोस्ट लेटर भी आता है, लेकिन ये लोग पोस्ट वितरण करने वाले से यह पत्र हासिल कर अपनी लोकेशन सेट करवा देते हैं। दूसरे रिसोर्ट के स्थान पर अपने रिसोर्ट की लोकेशन तो कहीं किसी खाली पड़ी जमीन पर रिसोर्ट की लोकेशन सेट करवा दी जाती है। जैसलमेर एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि ट्रैवल वेबसाइट पर भी लिस्टेड फेक रिसोर्ट चलाने वाले अपने शातिर तरीके से ट्रैवल वेबसाइट के प्रतिनिधियों को भी दूसरे रिसोर्ट बताकर लिस्टेड करवा लेते हैं। इन वेबसाइट पर कई फर्जी रिसॉर्ट्स लिस्टेड है। जबकि यह रिसॉर्ट्स धरातल पर हैं ही नहीं। इन वेबसाइट पर ट्रैवलर्स के ऐसे कई कमेंट भी मिल जाएंगे, जिससे उन्होंने साफ तौर पर लिखा है कि बुकिंग दूसरे रिसोर्ट के नाम से थी और उन्हें ठहराया कहीं और गया। इसका मतलब साफ है कि लपकों ने फर्जी रिसोर्ट लिस्टेड करवा दिए और बुकिंग आने पर आगे किसी रिसोर्ट को बेच दी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 18 नवम्बर, 2024

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि सोमवार, विक्रम सम्वत 2081, मृगशिरा नक्षत्र दिन 3.49 तक, सिद्ध योग सायं 5.22 तक, वाणिज करण प्रात: 8.01 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति – सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरु–वृष, शुक्र–धनु, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में संचार करेगा।

आज सवार्थ सिद्धि योग ओर अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 3.44 तक है। भद्रा प्रात: 8.01 से सायं 6.56 तक है। आज सौभाग्य सुन्दर्श व्रत, चतुश्यी व्रत है।

श्रेष्ठ चोघडिया – अमृत – सूर्योदय से 8.13 तक, शुभ 9.32 से 10.52 तक, चट – 1.32 से 2.51 तक, लाभ–अमृत 2.51 से सूर्यास्त तक राहुकाल – 7.30 से 9.00 तक, सूर्योदय 6.53 सूर्यास्त 5.31

मेष

मेष – व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष

वृष – आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

मिथुन

मिथुन – मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बडेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

कर्क – व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। अनावश्यक समय खराब होगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। स्वभाव की तेजी पर ध्यान दे।

सिंह

सिंह – आर्थिक–वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। घर परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा।

कन्या

कन्या – व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

तुला

तुला – नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक – चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु

धनु – व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा सम्भव है। नौकरी पैशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

मकर – स्वास्थ्य संबंधित चिंता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

कुम्भ – व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। नौकरी पैशा व्यक्तियों को भाग–दौड से राहत मिलेगी।

मीन

मीन – परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में शुभ कार्य के लिए यात्रा सम्भव है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सार-समाचार

बदलते मौसम में श्रीराम के बीज किसानों को दे रहे हैं बेहतर उपज

कोटा, (निसं)। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड की ईकाई श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित 'श्रीराम सुपर 1-एसआर -14' और 'श्रीराम सुपर 5-एसआर -05' गेहूं बीज राजस्थान में गेहूं की खेती में उल्लेखनीय परिवर्तन लाये है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए बेहतर प्रदर्शन किया हैं। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 1-एसआर -14 और 5-एसआर -05, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। इनका दाना बड़ा, कठोर और चमकदार है तथा इनकी गेहूं से बनी चपाती बहुत अच्छी गुणवत्ता की होती है। और सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में देश, प्रदेश और हाड़ौती के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं। श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 1-एसआर -14 गेहूं बीज के साथ-साथ, श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के अन्य उत्पाद जैसे श्रीराम सुपर 111 और श्रीराम सुपर 3-एसआर -72 भी पिछले कुछ सालों से अपनी शानदार परफॉर्मेंस के चलते किसानों में बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स कृषि इनपुट्स जैसे बीज, विशेष पोषण, और फसल संरक्षण के कारोबार में सक्रिय है, जिससे भारतीय कृषि को मजबूत और किसानों की आय को बढ़ाने में सहायता मिल रही है।

दीपावली मिलन समारोह संपन्न

कोटा, (निसं)। रविवार को हाड़ौती ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसियेशन समिति कोटा का दीपावली मिलन समारोह बारां रोड़ झालीपुरा स्थित दुर्गा रिसोर्ट में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समारोह में प्रेस समिति की और से कोटा में प्रेस उद्योग की परेशानीयों एवं कोटा कोचिंग के कारण उद्योग पर मंडरा रहे खतरे से अवगत करवाया। इस विषय पर भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि निसंदेह कोटा के प्रेस उद्योग अच्छा और आधुनिक तकनीक से परिपूर्ण उद्योग है जिसके माध्यम से विभिन्न इकाइयों में कई परिवारों को रोजगार मिला हुआ है, वर्तमान में जो संकट इस उद्योग पर आया है इसके निवारण के लिये मैं सदैव प्रेस उद्योग एवं इससे संबंधित व्यपारियो व कार्यरत कर्मचारियों के परिवारों के साथ है। मैं इस उद्योग के लिये हमेशा संघर्षरत रहूंगा राकेश जैन ने कहा कि में आपके मध्य का आपका अपना ही प्रतिनिधि हूँ व्यापारियो की जायज़ समस्या और उनकी माँगो को निजी समस्या समझकर सुलझाने का सदैव प्रयास रहेगा समारोह की अध्यक्षता करते हुए कोटा बुकसेलर्स एवं स्टैशनर्स एसोसीयेशन के अध्यक्ष नरेंद्र लोढ़ा ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। हाड़ौती ऑफसेट एवं प्रिंटर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष नितिन खंडेलवाल महासचिव मुकेश जैन पूर्व अध्यक्ष सुमतिप्रकाश जैन ने कहा कि राकेश जैन सदैव कंधे से कंधा मिलाकर सभी का सहयोग करते है।

विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास में सहयोगी हैं प्रदर्शनियां

कोटा, (निसं)। पेंग्विन हाइट्स स्कूल में आयोजित हिन्दी, गणित, सामाजिक ज्ञान और विज्ञान की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रतिभा को नए आयाम दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नागरिक संस्थान के अध्यक्ष टीपी सेठी रहे, जिन्होंने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि ऐसी प्रदर्शनियों से बच्चों को न केवल शैक्षिक ज्ञान, बल्कि व्यावहारिक और रचनात्मक कौशल भी मिलता है। उन्होंने बच्चों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। स्कूल की डायरेक्टर, डॉ. संगीता कक्कड़ ने प्रदर्शनी के उद्देश्य और तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। बच्चों ने बड़े उत्साह से मॉडल चार्ट, आर्ट गैलरी और अन्य प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। कला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की चित्रकारी और शिल्प कौशल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शनी के दौरान मनोरंजन के लिए फूड स्टॉल और विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर लक्की ड्रा का आयोजन किया गया, जिसमें माहिरा खान विजेता घोषित हुईं।कार्यक्रम के समापन पर वाइस प्रिंसिपल रीटा वर्मा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने की प्रेरणा को प्रोत्साहित करते हैं।

343 कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा वार्ड 44 पार्षद के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान में युवाओं और रक्तदाताओं में भारी उत्साह देखा गया। रविवार को पार्षद लेखराज योगी के तत्वावधान में छावनी क्षेत्र में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं व युवा कार्यकर्ताओं ने पार्षद योगी का गर्मजोशी से जोरदार स्वागत किया। पार्षद योगी के आते ही लोगों फूल-मालाओं से लाद दिया और पार्षद योगी के जिंदा बाद जमकर नारे लगाऐं। वहीं पार्षद लेखराज योगी ने बताया कि हाल चल रही बीमारियों के चलते रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 287 युवाओं व 56 महिला कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया हाल वक्त में जिन्दंगी एवं मौत से लड़ रहें आमजन के लिए रक्तदान आमजन के लिए आवश्यक एवं तत्पर रहेगा। आमजन की सेवा ही हमारी तत्परता है। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल, महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रखी गौतम, जिलाध्यक्ष कांग्रेस रविन्द्र त्यागी, सहित पार्षद योगी के कार्यकर्ता एवं सहयोगी शामिल हुए।

दिवाली मिलन मनाया

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया वहीं इस दौरान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की अधिकारिक यात्रा आयोजित कि गई, जो पूर्णतया सफल रही। क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि बसंत विहार स्थित क्लब भवन पर दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया, इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राखी गुप्ता ने क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया एवं क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की एवं विशेष रूप से क्लब के वरिष्ठ सदस्य डॉ. एमएल अग्रवाल द्वारा हर मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता पर किए जा रहे कार्यों की सराहना की एवं धन्यवाद दिया। साथ ही क्लब द्वारा रखरखाव पर किए जा रहे पार्क का भी निरीक्षण किया एवं कहा कि इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाना चाहिए।

चोरी की पिकअप बरामद

रामगंजमण्डी (निसं)। सकते पुलिस ने कस्बे से चोरी हुई पिकअप को बरामद करने में सफलता प्राप्त की। उक्त जानकारी देते हुए सुजीत शंकर जिला पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण ने बताया कि जिला कोटा ग्रामीण के थाना सुकेत द्वारा 14 नवम्बर गुरुवार को कस्बा सुकेत में चोरी हुई पिकअप को बरामद करने में सफलता प्राप्त की। थाना हाजा के प्रकरण संख्या 312/ 2024 धारा 303 (2) बीएनएस में चोरी हुई पिकअप के प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला कोटा ग्रामीण रामकल्याण के सुपरविजन में वृताधिकारी वृत रामगंजमंडी घनश्याम मीणा के निर्देशन में थानाधिकारी थाना सुकेत छोटूलाल उनि के नेतृत्व एक विशेष टीम का गठन किया गया।जिस पर टीम द्वारा आसूचना संकलन कर अरनिया जंगल क्षेत्र से प्रकरण की माल मशरूका पिकअप को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

29वें दिन भी प्रदर्शन जारी

छबड़ा (निसं)। थर्मल कार्मिकों द्वारा 29वें दिन भी एनटीपीसी और उत्पादन निगम के बीच हो रहे संयुक्त उपक्रम बनाकर हो रहे निजीकरण का विरोध जारी रहा। लगभग एक महीना होने को आ गया है लेकिन राज्य सरकार और प्रशासन ने अभी तक इन कार्मिकों से कोई ठोस प्रकार की वार्ता नहीं की है। थर्मलकर्मियों का कहना है कि एनटीपीसी के नाम पर एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई जा रही है जिसके बाद आमजन को महँगी बिजली दर के साथ ही बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसरों में भी कमी आएंगी। थर्मलकर्मी अभी तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे है। अगर राज्य सरकार और प्रशासन द्वारा इसी तरह से अनदेखी जारी रहती है तो कार्मिक जल्दी ही कोई कठोर कदम उठाने पर मजबूर होंगे।

युवा संसद का आयोजन

रामगंजमण्डी (निसं)। जवाहर नवोदय विद्यालय खैराबाद में 16 नवम्बर शनिवार को पीएम श्री गतिविधियों के अन्तर्गत युवा संसद (बाल संसद) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जो लगभग तीन घण्टे चली और हंगामेदार रही।जिसमें शिक्षा सेना आतंकवाद व रेल संचालन को लेकर पक्ष विपक्ष में तीखे सवाल जवाब हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मदन दिलावर शिक्षा एवं पंचायती राज केबिनेट मंत्री थे।

कोटा में कोचिंग स्टूडेंट्स के लिए हुआ शिक्षा, भक्ति और संस्कार का अनूठा महोत्सव

- एलन संस्कार महोत्सव में 10 हजार से अधिक स्टूडेंट्स हुए शामिल
- विज्ञान और अध्यात्म के संगम में ली सीख, भजनां पर झूमे भावी डॉक्टर व इंजीनियर्स

कोटा, (निसं)। कॅरियर एवं केयर सिटी, शिक्षा की काशी कोटा में रविवार को दिन एक बार फिर यादगार हो गया। यहां कोचिंग स्टूडेंट्स के लिए शिक्षा, भक्ति और संस्कार के सबसे बड़े महोत्सव का आयोजन एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट द्वारा किया गया। फिजिक्स, कैमेस्ट्री, बॉयलोजी और मैथ्स के सवालों में डूबे हुए कोटा कोचिंग के स्टूडेंट्स रविवार को अलग ही रंग में डूबे नजर आए। विज्ञान के विद्यार्थी अध्यात्म के भावों में डूबे रहे। फूल बरसते रहे और युवा झूमते रहे। इस दौरान कोचिंग सिटी कोटा का संस्कार से सफलता तक का ध्येय साकार होता दिखा।

एलन संस्कार महोत्सव कोटा के इन्द्रप्रस्थ इंडस्ट्रीयल एरिया के रोड नं.1 स्थित एलन उत्सव वाटिका में हुआ। कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक स्टूडेंट्स शामिल हुए, जिन्हें श्री झालरिया पीठाधिपति जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी जी श्री घनश्यामाचार्यजी महाराज ने संस्कार से सफलता तक के लिए मार्गदर्शन दिया। विज्ञान और अध्यात्म के मिलन की कोटा में यह अनूठी पाठशाला रही, जिसमें भावी डॉक्टर व इंजीनियर्स भजनों पर झूमे और जीवन में संस्कार का महत्व समझते हुए मार्गदर्शन लिया।

कोटा में ऐलन कोचिंग के द्वारा संस्कार महोत्सव आयोजित किया गया।

संस्कार महोत्सव को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लाखों स्टूडेंट्स ने लाइव देखा। इंजीनियर व डॉक्टर के रूप में कॅरियर बनाने के लिए अध्ययनरत देशभर के हजारों विद्यार्थियों के लिए यह दिवस यादगार बन गया। महोत्सव में कॅरियर के साथ-साथ विद्यार्थियों को संस्कार, संस्कृति, अध्यात्म, ध्यान और धैर्य का पाठ पढ़ाया गया। भक्ति की इस पाठशाला विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावक, शिक्षक और शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए। भक्ति और विज्ञान का यह अनूठा संगम विद्यार्थियों को अध्यात्म और ध्यान से जोड़ने के लिए रहा। इस अवसर पर एलन के निदेशक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, डॉ. नवीन माहेश्वरी व डॉ.बृजेश माहेश्वरी मौजूद रहे। उन्होंने भजन गाए और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

श्री झालरिया पीठाधिपति जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी जी श्री घनश्यामाचार्यजी महाराज ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सीख देते हुए कहा कि ईश्वर की अनुकम्पा के साथ सभी का विश्वास और साथ भी जुडा होता है। हमारा विश्वास कितना मजबूत है, यह हमें आगे ले जाता है। विद्यार्थी यदि शिक्षक में विश्वास करता है तो परीक्षा में वो बात भी याद आ जाती है जो कभी दोहराई नहीं।

सच्चे मन से दानपुण्य अवश्य करें और इसकी निरन्तरता बनाए रखें, हो सकता है इससे कुछ लाभ नहीं हो रहा हो लेकिन एक दिन इसका पुण्य प्राप्त होगा। उन्होंने विश्वास, भक्ति, धर्म, धैर्य और ध्यान की सीख देते हुए कहा कि संस्कार महोत्सव यानी संस्कारित होना। हर कार्य का संस्कार होता है। किसान भी अपनी जमीन को संस्कारित करता है, तभी जमीन उपजाऊ होती है। संस्कार ही हैं जो हमारे जीवन का मार्गदर्शन करते हैं, हमारे चरित्र को निर्मल रखते हैं, हमें कर्तव्यपरायणता की याद दिलाते हैं। शिक्षा के साथ संस्कार बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारे संस्कारों ही हमें परिवार, समाज, देश के प्रति जवाबदेह बनाते हैं।

बून्दी महोत्सव का शुभारंभ आज

बूंदी (निसं)। हाड़ौती के सतरंगी पर्यटन पर्व बूंदी महोत्सव-2024 का आगाज सोमवार को गढ़ पैलेस में सुबह साढ़े आठ बजे गणेश पूजन एवं ध्वजारोहण के साथ होगा। महोत्सव के दौरान आयोजित विविध सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रम आमजन, देशी-विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। बूंदी महोत्सव के तहत 18 से 20 नवंबर तक 'लोक संस्कृति के रंग जिलेभर में बिखरेंगे। इस दौरान जिलेभर में विविध रंगारंग मनोहारी कार्यक्रम आयोजित होंगे। महोत्सव के कार्यक्रमों की श्रृखंला में पहले दिन 18 नवंबर को सुबह 8.30 बजे गढ गणेश की पूजा अर्चना व झंडारोहण से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसके बाद सुबह 9 बजे गढ़ पैलेस से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। लोक कलाकार, पारम्परिक वेशभूषा में विभिन्न धर्म, सम्प्रदाय महिला पुरूष, ऊंट, घोडे शामिल रहेंगे, जो सभी के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेगी। शोभायात्रा का मार्ग में जगह जगह जोरदार शहरवासियों की ओर से स्वागत किया जाएगा। शोभायात्रा खेल संकुल पर सम्पन्न होगी। सुबह 11 बजे से प्रतियोगिताएं होंगी। इसके तहत रस्सा कसी, मूंछ, साफा बांधना, पणिहारी दौड आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। वहीं शाम 6 बजे नवलसागर झील में दीपदान कार्यक्रम भी होगा। कार्यक्रमों की श्रृंखला में शाम 7.30 बजे नवल सागर किनारे स्थित पार्क में बेस्ट ऑफ इंडिया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

भजन संध्या में भजनों की लहर में डूबे श्रोता

झालावाड़ (निसं)। राज्य स्तरीय श्री चन्द्रभागा (कार्तिक) मेले के दौरान जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में अंतिम दिन शनिवार रात्रि को मेला मैदान में बालोतरा के प्रसिद्ध भजन सम्राट प्रकाश माली की भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें उनके द्वारा एक से बढ़कर एक भजन एवं देशभक्ति से सराबोर गीतों की प्रस्तुति दी गई।

भजन संध्या का आरंभ प्रकाश माली द्वारा गणेश वंदना से किया गया। उन्होंने मेरे लाड़ले गणेश प्यारे प्यारे गणेश मेरी सभा बीच में आ जाना से गणराज को निमंत्रण दिया। इसके बाद सद्गुरु चरणों में अपना निर्गुणी भजन "आज तो म्हारे सद्गुरु आया पावणा" समर्पित किया। उनके द्वारा सुनाए भजन मंगल भवन अमंगल हारी और रामायण की चौपाइयों पर सारा माहौल राममय हो गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम, मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे राम आएंगे, नगरी हो अयोध्या सी रघुकुल सा घराना हो, तू ही माता तू ही पिता है और ओ पालनहारे निर्गुण और न्यारे तुम्हरे बिन हमरा कोई नही जैसे भजनों पर श्रोता भक्ति रस में डूबते नजर आए।

उनके गाए बाबा रामदेव के भजन पर सभी श्रोता नाचते दिखे। सरगम फिल्म के प्रसिद्ध गीत डफली वाले डफली बजा को आत्मा और परमात्मा से जोड़कर जब उन्होंने गाया तो निर्गुण ब्रह्म सबके मन में साकार रूप में अवतरित होते दिख पड़े। राजस्थान की माटी का बखान करते हुए उन्होंने प्रसिद्ध रचना "इनरो कितना करूं में बखान कण कण में गूंजे जय जय राजस्थान" से शुरुआत करते हुए उन्होंने अपने भजनों के बीच चित्तौड़ महाराणा प्रताप और चेतक को याद किया। उन्होंने "ओ पवन वेग से उडने वाले घोडे तुझ पर सवार है जो मेरा सुहाग है वह, रखियो रे आज उनकी लाज" जय चित्तौड़ फिल्म का गीत गाकर राणा प्रताप के घोड़े चेतक के बलिदान का बखान किया। अपने प्रसिद्ध गीत हल्दीघाटी में समर लड़ो वह चेतक रो असवार कठे मायड़ थारो वो पूत कठे वो एकलिंग दीवान कठे वो महाराणा प्रताप कठे गाकर देश प्रेम की ज्योत जला दी।

इस दौरान एक के बाद एक देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति होती रही और श्रोता भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे। उन्होंने सुनो गौर से दुनिया वालों सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी, सैनिकों को समर्पित गीत संदेशे आते हैं हमें तड़पाते हैं, है प्रीत जहां की रीत सदा जैसे देशभक्ति गीतों की झड़ी लगा दी।

राजस्थान में विद्युत विभाग में निजीकरण का कोई प्रस्ताव नहीं है : ऊर्जा मंत्री नागर

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राजस्थान में विद्युत विभाग में निजीकरण का कोई प्रस्ताव नहीं है। जीएसएस के उचित रखरखाव और ग्रामीण क्षेत्रों में हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के आधार पर बिजली उत्पादन और वितरण के लिए हेम योजना लाई गई है।

33 केवी जीएसएस के पास लोड का सोलर प्लांट लगाने से किसानों को दिन में बिजली मिल सकेगी। 7800 करोड़ की इस योजना को केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60/40 में पूरा किया जाएगा। पूरे प्रॉजेक्ट में 30 हजार करोड़ की लागत आएगी। बिजली विभाग नॉन प्रॉफिट वाला डिपार्टमेंट है। इसलिए लोन लेना संभव नहीं है।

निजी संस्था के लिए 7-8 प्रतिशत में लोन लेना आसान है। ऐसे में निजी संस्था के माध्यम से 10 वर्षीय प्रोजेक्ट को पूरा करके गांवों में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली दी जाएगी। यह बात ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने रविवार को कही। वे भारतीय मजदूर संघ के जिला सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने उदय योजना के द्वारा विद्युत विभाग को कर्ज मुक्त कर दिया

कोटा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने भारतीय मजदूर संघ के जिला सम्मेलन को संबोधित किया।

था। इसके बाद कांग्रेस की गहलोत सरकार को तकरीबन 2000 करोड़ का मुनाफा करके दिया था। इसके बावजूद 5 साल में 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज लेकर विभाग को कर्ज में डुबो दिया गया। पिछले 5 सालों में ना कोई संयंत्र लगा, ना उत्पादन बढ़ा। सेंट्रलाइज्ड सिस्टम, बड़े टेंडर के साथ ही महंगी बिजली खरीद और भ्रष्टाचार से जेब भरने के कारण विभाग कर्ज में डूब गया। अब हमने सस्ती दर से बिजली खरीद की है। अगले 5 वर्षों में किसानों को दिन में बिना ट्रिपिंग के 6 घंटे निर्बाध बिजली देने का काम करेंगे।

नागर ने कहा कि जीएसएस के उचित रखरखाव के लिए सरकार प्रयासरत है। जीएसएस पर कर्मचारी के सलेक्शन के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा। बायोमेट्रिक हाजिरी दिन में तीन बार फेस रीडिंग के माध्यम से कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि बिना ऑनलाईन रिक्वेस्ट के शटडाउन नहीं देने का नियम बना रहे हैं। विद्युत तंत्र में सुधार और निर्बाध बिजली वितरण के लिए जनता के भी सुझाव ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ विश्व का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है। मैं भी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का प्रतिनिधित्व करता हूं। हमारी सरकार श्रमिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने का प्रयास कर रही है। विद्युत विभाग जन-जन से जुड़ा हुआ डिपार्टमेंट है। इससे हर वर्ग प्रभावित होता है। कार्यक्रम में जिला मंत्री चेतन गौड़, प्रदेश मंत्री कपिल मालव, संभाग संगठन मंत्री प्रशांत खरे, जिला अध्यक्ष अमित शर्मा, विजय सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

पाठ्यक्रम की समीक्षा के लिए राज्य स्तर पर समिति का गठन

कोटा, (निसं)। राज्य में वर्तमान में संचालित संपूर्ण स्कूली पाठ्यक्रम की समीक्षा के लिए राज्यस्तर पर पाठ्यक्रम की समीक्षा समिति का गठन किया गया है। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने गत दिनों सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि पाठ्यक्रम में पढ़ाए जा रहे कुछ अवांछनीय प्रसंगों और विषयों को हटाया जाएगा तथा पूरे स्कूल शिक्षा के पाठ्यक्रम की समीक्षा कर उसे समयानुकूल और राष्ट्रीय भावना से परिपूर्ण बनाया जाएगा। इसी क्रम में मंत्री के निर्देश के बाद प्रदेश का स्कूल शिक्षा विभाग हरकत में आया और अब विभाग ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए पाठ्यक्रम समीक्षा की पहल कर समिति का गठन किया है। समिति का अध्यक्ष कुलपति वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा प्रोफेसर कैलाश सोडाणी को बनाया गया है। जबकि हनुमान सिंह राठौड़ शिक्षाविद् समिति के उपाध्यक्ष होंगे। समिति में डी रामाकृष्ण राव शिक्षाविद्, एनसीआरटी, दिल्ली सलाहकार सदस्य बनाए गए हैं जबकि सदस्य सचिव के रूप में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के विशेषाधिकारी सतीश कुमार गुप्ता कार्य करेंगे। समिति में पूर्व कुलपति कोटा यूनिवर्सिटी तथा पूर्व सदस्य राजस्थान लोक सेवा आयोग प्रोफेसर प्रमेंद्र कुमार दशोरा, पूर्व अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर, प्रोफेसर भारत राम कुमार, सेवानिवृत शिक्षाविद श्याम सुंदर बिस्सा, जयंतीलाल खंडेलवाल, विशेषज्ञ जयपुर तथा कन्हैया लाल बेरीवाल सेवानिवृत्ति आईपीएस, जयपुर को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रारंभिक शिक्षा (आयोजना) विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश अनुसार यह समीक्षा समिति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों एवं राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण स्कूली पाठ्यक्रम की विषय वस्तु/ छायाचित्र/ रेखाचित्र/ सामग्री संकलन/ व्याख्या का अध्ययन एवं समीक्षा कर सुझाव 30 दिवस में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर को प्रस्तुत करेगी।

13 दोस्तों ने पहली बार रक्तदान किया

कोटा, (निसं)। सामाजिक सेवा के से जुड़ने के लिए युवाओं का एक बड़ा वर्ग आगे आ गया रहा है, जहां लोग सेवा के माध्यम से जरूरतमंद की मदद कर रहे हैं और नई सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि युवाओं की लंबे समय से सेवा कार्य से जुड़ने की चाह थी, ऐसे में उन्हें रक्तदान से जोड़ते हुए रक्तदान का महत्व बताया तो वह लोग तैयार हो गए और उन्होंने रक्तदान व एसडीपी के क्षेत्र में कार्य करने की इच्छा जाहिर करते हुए अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचकर रक्तदान किया। टीम जीवनदाता के सहसंयोजक वर्धमान जैन ने कहा कि 13 दोस्तों ने रक्तदान कर सेवा कार्य से जुड़ने का अपना अभियान प्रारंभ किया।

रेल मदद पोर्टल पर यात्री शिकायतों का तत्परता से निपटारा

कोटा, (निसं)। मंडल यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के साथ ही उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए तत्पर है। इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु, मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक आर.आर.के.सिंह के मार्गदर्शन में "रेल मदद" पोर्टल/एप पर 247 रेल यात्रियों की सहायता और शिकायतों का निपटारा सुनिश्चित किया जा रहा है।

रेलवे ने शिकायत और सुझावों को समायोजित करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 139 सहित सभी माध्यमों को "रेल मदद" पोर्टल और एप में एकीकृत कर दिया है। शिकायतों का निस्तारण समय तय सीमा के भीतर किया जाता है एवं निस्तारण के पश्चात शिकायतकर्ता को सूचना दी जाती है और उनसे फीडबैक भी मांगा जाता है, जिससे रेल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सकें। कोटा मंडल में 16 जून, 2024 से वॉर रूम की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य यात्री शिकायतों का शीघ्र एवं समुचित समाधान सुनिश्चित करना है। 16 जून 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक इस वॉर रूम के माध्यम से कुल 10278 शिकायतों का निपटारा किया गया, जिसमें यात्रियों द्वारा 88 प्रतिशत उत्कृष्ट फीडबैक प्राप्त हुए जो पश्चिम मध्य रेल्वे ज़ोन में सर्वोत्तम रहा हैं। वर्तमान में कोटा मंडल में यात्री शिकायतों के समाधान का औसत समय 32 मिनट है, जो कि पश्चिम मध्य रेलवे के सभी मंडलों में सर्वोत्तम है।

'स्मार्टफोन और लंबे समय तक टीवी देखने के कारण बच्चों में बढ़ रहा है मायोपिया'

- '2050 तक विश्व में 5 अरब लोगों को प्रभावित कर सकता है यह दृष्टि दोष'

कोटा, (निसं)। नेशनल मायोपिया वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर स्क्विन्ट एंड पीडियाट्रिक ऑप्थेलमोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया, मतानंद वेलफेयर फाउंडेशन, और एन्टोड फार्मा के संयुक्त तत्वावधान में जागरुकता सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोटा स्थित अभिनव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुआ, जिसमें सुवि नेत्र चिकित्सालय की नेत्र विशेषज्ञ डॉ.सुरेश पाण्डेय ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया।

डॉ.सुरेश पाण्डेय ने बताया कि बदलती जीवनशैली और स्मार्टफोन व कंप्यूटर के अत्यधिक उपयोग के कारण बच्चों में मायोपिया (निकट दृष्टि दोष) तेजी से फैल रहा है। यदि माता-पिता में से किसी एक को मायोपिया है, तो उनके बच्चों में इसके होने की संभावना बढ़ जाती है। यदि दोनों माता-पिता को यह समस्या है, तो बच्चों में इसका खतरा और

कोटा में नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश पाण्डेय ने मायोपिया पर जागरुकता व्याख्यान दिया।

भी अधिक हो जाता है। सुवि नेत्र चिकित्सालय की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विदुषी पाण्डेय ने बताया कि स्मार्टफोन, वीडियो गेम, और लंबे समय तक टीवी देखने की आदत के कारण बच्चों का अधिकतर समय घर के अंदर बीतता है, जिससे मायोपिया का खतरा बढ़ जाता है।

लगातार पास का काम जैसे ऑनलाइन क्लासेज, पढ़ाई, और विडियो गेम्स बच्चों की दृष्टि पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। मायोपिया से पीड़ित व्यक्ति बिना चश्मे के स्पष्ट नहीं देख पाते हैं और उनका चश्मे का नंबर लगातार बढ़ता रहता है। डॉ.सुरेश पाण्डेय ने बताया कि वर्तमान में विश्वभर में 1.4 अरब लोग मायोपिया से पीड़ित हैं, और यह संख्या 2050 तक बढ़कर 5 अरब तक पहुंच सकती है। इस दृष्टि दोष के कारण रेटिनल डिटेचमेंट, मैक्यूलर डिजनरेशन, मोतियाबिंद, और ग्लूकोमा जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मायोपिया के उपचार के लिए चश्मा, कॉन्टेक्ट लेंस, लेसिक सर्जरी, और फेकिक लेंस प्रत्यारोपण जैसे विकल्प उपलब्ध हैं।

मायोपिया रोकथाम के लिए उपाय:- डॉ.पाण्डेय ने बताया कि अमेरिका और सिंगापुर में हुए शोध के अनुसार, लो-डोज एट्रोपिन (0.01:) आईड्रॉप का उपयोग बच्चों में मायोपिया के प्रगति को रोकने में प्रभावी सिद्ध हुआ है। अब भारत सहित अन्य देशों के नेत्र विशेषज्ञ भी इसका उपयोग कर रहे हैं। यह आईड्रॉप आंखों की मांसपेशियों को रिलैक्स करती है, जिससे आंखों की अंदरूनी लंबाई की वृद्धि कम हो जाती है।

बच्चों की आंखों की सुरक्षा के लिए सुझाव:- डॉ. सुरेश पाण्डेय ने बताया कि माता-पिता बच्चों को आउटडोर गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें रोजाना आधे घंटे धूप में खेलने दें। बच्चों को स्मार्टफोन, कंप्यूटर और टीवी की लत से बचाएं। हरी सब्जियों, गाजर और विटामिन युक्त फलों का सेवन कराएं। जंक फूड से बचें और पौष्टिक आहार को प्राथमिकता दें। वर्ष में दो बार आंखों की और रेटिना की नियमित जांच करवाएं। आंखों को मसलने से बचें, क्योंकि इससे केरेटोकोनस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस अवसर पर देव शर्मा, सुनील सक्सेना (एन्टोड फार्मा), प्रिंसिपल वीरेन्द्र जैन, प्रोफेसर वी.एन.तिवारी, और विद्यालय के अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

'हज यात्रियों के किराए में वृद्धि निंदनीय'

कोटा, (निसं)। नई पॉलिसी के तहत हज यात्रा 2025 के लिए जाने वाले हज यात्रियों को इस बार 50 हजार रुपए तक अधिक देने होंगे। इस पॉलिसी से अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के लोगों ने नाराजगी जाहिर की है। हज कमेटी राजस्थान के सदस्य सोनू कुरैशी ने नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, भारतीय हज समिति अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार को अपनी आपत्ति दर्ज कराई है और कहा कि हम लगातार हज पर जाने वाले हज यात्रियों के लिए रियायत की मांग करते आ रहे हैं जिस पर सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया, जबकी उल्टा 50 हजार रुपए तक का अतिरिक्त भार डाल दिया जो किसी भी सूरत में ठीक नहीं है। हज यात्रियों के लिए किराए में वृद्धि करना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि हज-2025 के लिए यात्रियों को इस बार अधिक राशि खर्च करनी पडेगी, इसकी मुख्य वजह नई हज पॉलिसी में बदलाव के साथ अन्य शुल्कों में बढ़ोतरी है। हाल ही में यात्रियों ने पहली किश्त के रूप में एक लाख 30 हजार 300 रुपए का शुल्क जमा करवाया हैं। जो पिछली बार से अधिक है।

पिकअप से 48.75 लाख रुपए का अफीम डोडा-चूरा जब्त

मध्य प्रदेश नंबर की पिकअप से 19 कट्टों में भरा 325 किलो डोडा-चूरा मिला

जयपुर, (कासं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की सूचना पर प्रतापगढ़ जिले की छोटी सादड़ी थाना पुलिस की टीम ने मध्य प्रदेश नंबर की पिकअप से 19 कट्टों में भरा 325 किलो अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा जब्त किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 48.75 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस को पिकअप में से एक मोबाइल मिला है, जिसके आधार पर मौके से फरार तस्करों की तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के सुपरविजन में पुलिस मुख्यालय से राज्य के अलग-अलग शहरों में टीमें भेजी गई है, जो गुप्त रूप से वांछित अपराधियों मादक पदार्थ, शराब एवं हथियार तस्करों इत्यादि के बारे में जानकारी जुटा उन पर निगरानी रख रही है। आसूचना संकलन के दौरान

छोटी सादड़ी थाना पुलिस की टीम ने 325 किलो डोडा-चूरा जब्त किया।

- पुलिस को पिकअप में से मोबाइल मिला, जिसके आधार पर फरार तस्करों की तलाश की जा रही है

प्रतापगढ़ गई एजीटीएफ टीम को शनिवार को सूचना मिली कि मध्य प्रदेश नंबर की एक पिकअप में तस्कर अवैध डोडा-चूरा लेकर छोटी सादड़ी से होते हुए निम्बाहेड़ा की तरफ जाएंगे।

इसकी सूचना टीम ने आगे छोटी सादड़ी थाना पुलिस को दी। रात करीब एक बजे छोटी सादड़ी थाना पुलिस की टीम को कारूण्डा चौराहे से थोड़ा आगे हाईवे रोड की तरफ एक पिकअप आई हुई दिखाई दी, जिसमें दो व्यक्ति सवार थे। पुलिस की गाड़ी को देख पिकअप में सवार तस्कर गाड़ी को मौके पर छोड़ कारूण्डा की और पैदल-पैदल भागने लगे।

पुलिस टीम द्वारा भागने वाले दोनों व्यक्तियों का पीछा किया, लेकिन तस्कर अंधेरे में पहाड़ी व खड्डे में होते हुए नजरों से ओझल हो गए। पिकअप की तलाशी में पुलिस को तस्करों का एक मोबाइल एवं 19 कट्टों में भरा 325 किलो अवैध डोडा-चूरा मिला।

अवैध अफीम डोडा-चूरा, पिकअप एवं मोबाइल जब्त कर एनडीपीएस में मुकदमा दर्ज कर फरार तस्करों की तलाश की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आसाराम चौधरी के सुपरविजन में की गई इस कार्रवाई में एजीटीएफ टीम के हैड कांस्टेबल महावीर सिंह व कांस्टेबल नरेन्द्र पाटीदार की विशेष भूमिका एवं हेड कांस्टेबल सोहन यादव व कांस्टेबल मनोज यादव का सराहनीय योगदान रहा। थाना छोटीसादड़ी से एसएचओ तेजकरण सिंह मय टीम के शामिल थे।

11 वर्षीय इप्सा यादव ने किलिमंजारो पर तिरंगा फहराया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के वार्ड नं. 17 गढ़ कॉलोनी निवासी 11 वर्षीय इप्सा पुत्री अजय यादव ने अफ्रीका महाद्वीप के सबसे ऊँचे पहाड़ किलिमंजारो (गिलमन पॉईंट) को फतह किया है। इप्सा ने मात्र चार दिन

- अफ्रीका महाद्वीप के सबसे ऊँचे पहाड़ किलिमंजारो पर तिरंगा फहराकर राजस्थान की सबसे छोटी अन्तर्राष्ट्रीय पर्वतारोही बनी इप्सा
- शून्य डिग्री से नीचे के तापमान, कम ऑक्सीजन लेवल और कठिनाईयों भरा रास्ता, फिर भी चार दिन में 19 हजार फीट का रास्ता तय कर चोटी पर फहराया तिरंगा

में (5681 मीटर) करीब 19 हजार फीट का रास्ता तय कर चोटी पर ना केवल तिरंगा फहराकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है, बल्कि 11 वर्ष की उम्र में अपने मजबूत हौसले का भी परिचय देते हुए विश्व का अकेला पर्वत जो किसी पर्वत शृंखला का हिस्सा नहीं है वहाँ भारतीय ध्वज लहराया है।

ड्रीमलैंड एडवेंचर निदेशक अशोक शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि इप्सा ने निष्क्रिय तंजानिया ज्वालामुखी पर चढ़ने में मात्र चार दिन लगाये और 14 नवम्बर चिल्ड्रन्स डे पर दोपहर 3.30 बजे पहुंचकर भारतीय तिरंगे को लहराया। उन्होंने बताया कि भूमध्य रेखा पर स्थित अकेला ऐसा पहाड़ है जहाँ पर बर्फ (स्नो फॉल) गिरती है। पर्वतारोही

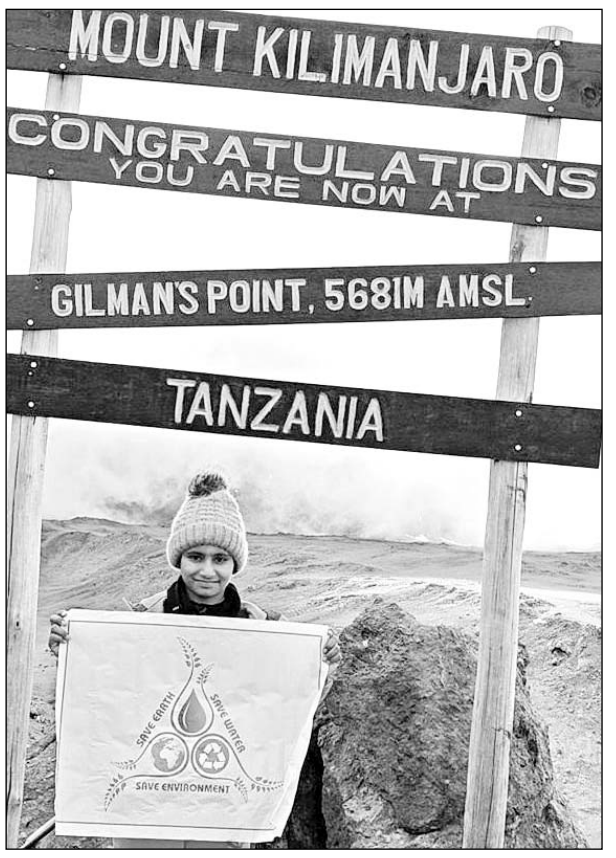

19 हजार फीट का रास्ता तय कर चोटी पर तिरंगा फहराती इप्सा यादव।

बिजेन्द्र सैनी ने बताया कि 18 नवम्बर सोमवार को इप्सा के कोटपूतली पहुँचने पर स्वागत एवं अभिनन्दन किया जायेगा। इप्सा के पिता एवं दा सांता किड्स स्कूल निदेशक अजय यादव ने बताया कि मात्र 11 वर्ष की आयु में इप्सा ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुये यह कारनामा कर दिखाया है। इप्सा इस पहाड़ पर चढ़ने वाली राजस्थान की सबसे छोटी अन्तर्राष्ट्रीय पर्वतारोही बन गई है। इप्सा ने हाल ही में एवरेस्ट बेस कैम्प को भी मात्र 06 दिन में पूरा किया था।

इप्सा ने फोन पर जानकारी देते हुये कहा कि कठिनाईयों से भरी इस रोमांचकारी यात्रा में शून्य डिग्री से नीचे के तापमान, कम ऑक्सीजन लेवल और कठिनाईयों वाले मौसम में शारीरिक परेशानी से झूझते हुए एवं अनेकों जोखिम उठाते हुए रात के समय सबसे कठिन क्योंकि कड़ाके की ठंड और तेज हवा बड़ी चुनौती का सामना करते हुए मैने इस मंजिल को तय किया। इप्सा ने चिल्ड्रन्स डे की शुभकामना प्रेषित करते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पानी बचाओ, पेड़ बचाओ, मिट्टी बचाओ का संदेश दिया।

अनीता चौधरी हत्याकांड के आरोपी गुलामुद्दीन को पुलिस मुंबई लेकर गई

गुलामुद्दीन को उन जगहों पर ले जाया जाएगा, जहां उसने फरारी काटी थी

जोधपुर, (कासं)। अनीता चौधरी हत्याकांड के आरोपी गुलामुद्दीन को पुलिस सड़क मार्ग से मुंबई लेकर रवाना हुई है। यहां उसे उन जगहों पर ले जाया जाएगा, जहां उसने फरारी काटी। इसके साथ ही वापस लाने के बाद पुलिस उसका पॉलीग्राफ टेस्ट भी करवाएगी। बताया जा रहा है कि वह गिरफ्तारी के बाद से लगातार बयान बदल रहा है।

जानकारी के अनुसार पोस्टमॉर्टम के बाद भी अनिता के शव का अंतिम संस्कार नहीं हो पाया है। मामले के जांच अधिकारी सरदारपुरा थाना प्रभारी दिलीप सिंह के अस्वस्थ होने के चलते जांच अधिकारी बदला गया है। मामले की जांच अब एडीसीपी सिकाऊ सुनील के पंवार को सौंपी गई है। सात दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार

- पोस्टमॉर्टम के बाद भी अनिता के शव का अंतिम संस्कार नहीं हो पाया है

को उसे फिर से कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने दोबारा 7 दिन का रिमांड दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, अनीता चौधरी हत्याकांड के आरोपी गुलामुद्दीन का पुलिस अब पॉलीग्राफ टेस्ट करवा सकती है। पुलिस पूछताछ में बार-बार बयान बदलने की वजह से जांच में दिक्कत आ रही है इसके चलते पुलिस अब पॉलीग्राफ टेस्ट भी करवा सकती है। फिलहाल गुलामुद्दीन को मुंबई में मौका तस्दीक के लिए जोधपुर से ले जाया गया है। मुंबई में फरारी के दौरान किन, किन जगहों पर रहा, किसने उसकी फरारी में सहयोग किया इसको लेकर पुलिस अब जांच करेगी। गुलामुद्दीन को पुलिस ने मुंबई से ही गिरफ्तार किया था।

इधर, इस पूरे मामले में अनीता चौधरी के परिजनों के साथ प्रशासन के साथ वार्ता सफल नहीं हुई है। परिजन अपनी मांगों को लेकर धरने पर अड़े हुए हैं। इसके चलते अभी तक शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। हालांकि पुलिस ने मृत शरीर अधिनियम के तहत शव का पोस्टमार्टम करवाया, लेकिन अंतिम संस्कार के लिए परिजनों की सहमति नहीं मिल पाई है। पुलिस अब इसको लेकर आगे की कार्रवाई भी कर सकती है।

कोचिंग शिक्षक ने आत्महत्या की

10 महीने पहले ही हेमंत की शादी हुई थी, पत्नी भी टीचर है

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी इलाके में 14 नवंबर की रात्रि को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले शिक्षक की कोटा के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। कुन्हाड़ी थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि 14 नवंबर की रात्रि को लैंडमार्क सिटी निवासी हेमंत चौधरी ने घर में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। हेमंत का परिवार विवेकानंद नगर में रहता है।

10 महीने पहले ही हेमंत की शादी हुई थी। हेमंत की पत्नी भी फर्स्ट ग्रेड टीचर हैं। शादी के बाद से ही दोनों लैंडमार्क सिटी में फ्लैट लेकर रह रहे थे। 14 नवंबर को हेमंत विवेकानंद नगर में शादी अटेंड करके लैंडमार्क सिटी स्थित घर लौटा था। घर लौटने के बाद करीब 10 बजे उसने फांसी लगा ली। मृतक हेमंत की पत्नी दूसरे कमरे में थी। उसने हेमंत को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा तो उसे उतार कर अस्पताल लेकर पहुंची। हेमंत को अचेत अवस्था मे उपचार के लिए एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से परिजन उसको कोटा के निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले गए। जहां हेमंत चौधरी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। आत्महत्या के स्पष्ट कारण तो सामने नहीं आए हैं लेकिन बताया जा रहा है कि हेमंत चौधरी ने पारिवारिक कलह के चलते ये कदम उठाया है। हेमंत चौधरी कोटा के निजी कोचिंग संस्था में शिक्षक हैं। पुलिस में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

पत्नी ने पति पर चोरी का आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर सेठी कॉलोनी निवासी सुनीता राठौड़ ने अपने पति शंकरलाल उर्फ अकबर पर चोरी का गंभीर आरोप लगाया है। सुनीता ने जेएम कोर्ट में इस्तगासा पेश किया। कोर्ट के आदेश पर आदर्श नगर थाना पुलिस ने शंकर लाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

- कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज किया

थाने के एएसआई रणवीर सिंह ने बताया कि सुनीता ने अपने इस्तगासे में बताया कि उसका पति शंकर लाल मंदसौर निवासी आमना और उसका पति अब्दुल के संपर्क में था। पुलिस में दर्ज बयान में सुनीता बताया कि 25 सितंबर को शंकर लाल ने उसे ब्लू केसल स्कूल के पास बुलाया और उसके बाद घर की अलमारी में रखे पांच तोला सोने के आभूषण, ढाई किलो चांदी के आभूषणों सहित 20 हजार रुपए नकद चुरा लिए। इस मामले की जांच हेड कांस्टेबल श्रीकिशन को सौंपी गई है। सुनीता ने पुलिस को बताया कि शंकरलाल ने यह सारा सामान आमना और अब्दुल के साथ मिलकर चुराया है। उसने बताया कि उसके पति का संपर्क आमना और अब्दुल के साथ लंबे समय से थे। पुलिस ने मामले की जांच हेड कांस्टेबल श्रीकिशन को सौंपी है।

गोवंश से भरा कंटेनर पकड़ा

सरवाड़, (निसं.)। पुलिस द्वारा पशु क्रूरता अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवंश से भरा एक ट्रक पकड़ने में सफलता प्राप्त की। मुखबिर सूचना मिली कि खिरिया चौराहे पर एक कंटेनर जिसमें अवैध गोवंश भरा हुआ है और वहां पर खड़ा है वहीं सूचना पर हेड कांस्टेबल मोहनलाल पुलिस थाना सरवाड़ के जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे जहां एक कंटेनर खड़ा मिला। इसके आसपास कोई चालक नहीं था। मौके पर अंधेरा होने की वजह से कंटेनर को नंदी गौशाला लाकर चेक किया तो गोवंश ठूंस ठूंस कर भरे हुए थे। जिसमें 58 गोवंश (45 बछड़े, 6 बैल, 4 गाय, 3 बछड़ी) जीवित अवस्था में व 19 गोवंश (18 बछड़े, 1 बछड़ी) मृत अवस्था में अवैध रूप से भरे हुए पाए गए।

समाज को बांटकर सत्ता पाना कांग्रेस की पुरानी आदत : शेखावत

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर दौरे पर आये केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने रविवार को महाराष्ट्र चुनाव को लेकर कांग्रेस पर जमकर राजनीतिक हमला बोला और महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने का दावा किया। नाल एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि राजनीति में ध्रुवीकरण करने और समाजों को बांटना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। आजादी के समय देश को जाति, धर्म के नाम पर बांटा गया। समाज को बांटकर ध्रुवीकरण करके सत्ता पाना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है, लेकिन अब देश की जनता जानती है कि उनका भविष्य कहां सुरक्षित है। महाराष्ट्र में भी जनता इसी पर वोट करेगी।

उन्होंने मणिपुर की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि सरकार सभी पक्षों से निरंतर बात कर रही है। आने वाले समय में जरूर एक शांति का मार्ग निकलेगा। प्रदेश में हुए उपचुनाव के परिणामों को लेकर गजेन्द्र सिंह ने कहा कि जनता ने भजनलाल सरकार को जीत का सर्टिफिकेट दे दिया है। हम एक से अनेक होने वाले हैं। इन सात सीटों में से भाजपा की एक ही सलूंबर सीट थी, बाकी चार कांग्रेस, एक बीएपी और एक राष्ट्रीय लोकतांत्रित पार्टी की थी। अब उपचुनाव के बाद हम एक से कई सीटों पर विजयी होंगे।

अनुच्छेद 370 हटाने पर उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह की बात को दोराहते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 इस देश में अलगावाद की जननी थी। देश के मस्तक पर काले टीके के समान थी। बीकानेर आगमन पर उनका कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी, पूर्व न्यास अध्यक्ष महावीर रांका, जितेन्द्र सिंह राजवी सहित अनेक भाजपाइयों ने शेखावत का स्वागत किया।

विधायक रविंद्रसिंह भाटी पर पुलिस ने मामला दर्ज करवाया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के झिनझिनयाली थाना में शिव विधायक रविंद्रसिंह भाटी के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। जैसलमेर जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शिव विधायक भाटी के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126/2, 221 और 132 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के बईया गांव में सरकार की ओर से निजी कम्पनी को सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए आवंटित की गई जमीन को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार जारी है। शिव से निर्दलीय विधायक भाटी भी लगातार ग्रामीणों के साथ इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बीच शुक्रवार को सोलर प्लांट के निर्माण कार्य का विरोध कर रहे दो प्रदर्शनकारियों को पुलिस की ओर से डिटेन कर गाड़ी में बिठाकर ले जाने के दौरान शिव विधायक ने प्रदर्शनकारियों को रिहा करवा दिया था।

एसपी सुधीर चौधरी ने कहा कि युवा विधायक को रोल मॉडल मानते हैं, लेकिन इस तरीके से गलत मैसेज जाते हैं। वह एक समझदार विधायक हैं। उम्मीद है आगे इस तरीके की घटना नहीं करेंगे। युवा विधायक से इस तरीके की अपेक्षा नहीं की जा सकती है। एसपी ने बताया कि निजी खातेदारी भूमि पर कार्य शुरू करने के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से भ्रामक खबरे सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करने की अपील की है।

दो बच्चों की मां ने फांसी लगाई

अजमेर, (कासं)। मांगलियावास थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतका सुराजा नदी द्वितीय की रहने वाली थी। सुराजा की शादी आठ साल पहले दौलत से हुई थी और वह दो बच्चों की मां थी। मांगलियावास थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जांच शुरू
- शादी आठ साल पहले हुई थी और दो बच्चों की मां थी

थाने के एएसआई गोपाराम ने बताया कि दोनों पक्षों को बुला लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। वहीं मृतका के पीहर पक्ष ने सुराजा के सिर में चोट के निशान होने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सुराजा के पति दौलत और उसके ससुराल वालों से पूछताछ की है और मामले की हर संभव पहलू से जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आ पाएगी। मृतका के परिवारजनों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, दो की मौत

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के प्रागपुरा फ्लाईओवर के समीप रविवार शाम दोस्त के साथ बाइक से घर आते समय बाइक सावार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार व उसके पीछे बैठा उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल को उपजिला अस्पताल पावटा ले गई। जहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया व एक युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रेफर कर दिया गया।

- मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल पावटा में रखवाया

जानकारी के अनुसार प्रागपुरा कस्बा निवासी समीर पुत्र इकबाल (23) अपने साथी शाहरुख पुत्र नूरखान निवासी प्रागपुरा (23) के साथ बाइक द्वारा रविवार शाम करीब छह बजे कस्बा प्रागपुरा वापस अपने घर वापस आ रहे थे। इसी दौरान प्रागपुरा फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना पर मौजूद ग्रामीणों की सूचना पर थाना प्रागपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपजिला अस्पताल पावटा ले गए, जहां प्रागपुरा कस्बा निवासी समीर पुत्र इकबाल (23) आसिफ को मृत घोषित कर दिया। वहीं शाहरुख पुत्र नूरखान निवासी प्रागपुरा (23) की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रेफर किया गया है। शाहरुख पुत्र नूर खान ने भी रास्ते मे ही दम तोड़ दिया।

वहीं मृतक समीर व शाहरुख की मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि वहीं हादसे के बाद हाइवे पर जाम भी लग गया जिस पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने यातायात सुचारु करवाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल पावटा में रखवाया गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्कूल लेक्चरर भर्ती परीक्षा (संस्कृत शिक्षा विभाग) शुरू

पहले दिन परीक्षा में 30.18 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्कूल लेक्चरर भर्ती परीक्षा 2024 (संस्कृत शिक्षा विभाग) की परीक्षा रविवार को जिला मुख्यालयों पर बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुई। कुल 52 पदों के लिए हो परीक्षा में 1 लाख 12 हजार 968 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हुए हैं। परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच के बाद ही अंदर आने की अनुमति प्रदान की गई। पहले दिन परीक्षा में 30.18 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज कराई।

आयोग सचिव मेहता ने बताया कि संस्कृत शिक्षा विभाग की स्कूल लेक्चरर भर्ती परीक्षा 2024 रविवार को जिला मुख्यालयों पर बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुई। अजमेर में 14 हजार 323 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए, इनमें से 4 हजार 664 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, 32.56 प्रतिशत उपस्थिति रही। इसी प्रकार जयपुर में 64 हजार 808 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए, 19 हजार 871 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, 30.66 प्रतिशत उपस्थिति रही। जोधपुर 15 हजार 304 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए, इनमें से 4 हजार 124 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, 26.95 प्रतिशत उपस्थिति

परीक्षा केंद्र पर जांच के बाद परीक्षा देने जाते अभ्यर्थी।

रही। कोटा में 8 हजार 797 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए, इनमें से 3 हजार 255 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, 37 प्रतिशत उपस्थिति रही। उदयपुर में 9 हजार 736 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए, इनमें से 2 हजार 184 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, 22.43 प्रतिशत उपस्थिति रही। रविवार को पहले दिन जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडी का पेपर हुआ। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया गया। अभ्यर्थियों को पहचान के लिए परीक्षा केन्द्र पर मूल फोटो पहचान.पत्र लेकर उपस्थित होना पड़ा। अजमेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर में परीक्षा सेंटर बनाए। यह परीक्षा 21 नवंबर तक होगी। परीक्षा के दौरान सुरक्षा के सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। परीक्षार्थियों को एक घंटा पहले परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश दिया गया।

- ऐच्छिक विषयों की परीक्षाएं 18 से 21 नवंबर तक दो पारियों में आयोजित होगी

सचिव मेहता ने बताया कि आयोग की ओर से कंट्रोल रूम शुरू कर दिया गया है। परीक्षा समाप्ति तक आयोग और जिला मुख्यालयों पर नियंत्रण कक्ष चालू रहेंगे। आयोग कॉमन पेपर की परीक्षा अजमेर सहित प्रदेशभर में कुल 353 सेंटर बनाए गए हैं। ऐच्छिक विषयों की परीक्षाएं 18 से 21 नवंबर तक दो पारियों में आयोजित होगी। आगामी विषयों की परीक्षाओं में हिन्दी की 18 नवंबर प्रात: 9 से 12 बजे तक, इतिहास की दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक इसी प्रकार राजनीति विज्ञान 19 नवंबर प्रात: 9 से 12 बजे तक व इंग्लिश दोपहर 2:30 से 5:30 बजे, 20 नवंबर को यजुर्वेद की परीक्षा प्रात: 9 से 12 बजे तक तथा जनरल ग्रामर दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक आयोजित होगी।

आयोग द्वारा सोमवार से विभिन्न विषयों की परीक्षा होगी, जो 21 नवंबर तक चलेगी। परीक्षा के मद्देनजर ऐच्छिक विषयों की परीक्षा जयपुर और अजमेर केंद्रों पर होगी। आयोग की इस परीक्षा के लिए कॉलेज और स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आयोग के पत्र के बाद कॉलेज आयुक्त कॉलेज शिक्षा की ओर से उन कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है, जिनमें परीक्षा होगी।

आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी किसी दलाल, मीडिएटर, समाजकंटक या अपराधी के बहकावे में न आएं। यदि कोई परीक्षा में पास कराने के नाम पर रिश्वत की मांग या अन्य कोई प्रलोभन व झांसा देता है तो प्रमाण सहित इस संबंध में जांच एजेंसी एवं आयोग कंट्रोल रूम नंबर पर सूचित करें। परीक्षा में अनुचित साधन अपनाये जाने एवं अनुचित कृत्यों में संलिप्त होने पर दस करोड़ रुपए तक के जुर्माने से दंडित एवं चल अचल संपत्ति कुर्क कर जब्त की जा सकती है।

जयपुर में सड़क सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने के लिए अनूठा कार्यक्रम

जयपुर। यूएन वर्ल्ड डे ऑफ रिमेम्बरेंस फ़ॉर रोड ट्रैफिक विक्टिम्स के अवसर पर रविवार शाम को जयपुर शहर की मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी द्वारा जवाहर कला केंद्र (जेकेके) के मध्यवर्ती में सड़क दुर्घटनाओं में जान गवां चुके लोगों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कमिश्नर ऑफ पुलिस, आईपीएस, बीजू जॉर्ज जोसेफ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे ट्रैफिक नियमों का पालन करके हम बड़े हादसों को रोक सकते हैं। इसके लिए जन जागरूकता बहुत आवश्यक है। सिविल लाइंस विधायक, गोपाल शर्मा ने कहा कि आमजन को हेलमेट लगाना, ट्रैफिक लाईट का पालन करना और वाहनों की ओवरलोडिंग रोकने जैसे ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। इससे आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में भारी कमी आएगी। इस अवसर पर जयपुर सिटीजन फोरम के चेयरमैन राजीव अरोड़ा, पूर्व डीजीपी एवं मुस्कान फाउंडेशन के चेयरमैन, मनोज भट्ट और प्रख्यात न्यूरोसर्जन वी डी सिन्हा भी उपस्थित रहे। मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी की ट्रस्टी, डॉ. मृदुल भसीन ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने गीत, नृत्य और नाटक जैसी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से सड़क पर सावधानी व सुरक्षा बरतने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। इन प्रस्तुतियों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में विशेष रूप से युवाओं के बीच जागरूकता बढ़ाने और उन्हें जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

यू.एन. वर्ल्ड डे ऑफ रिमेम्बरेंस फ़ॉर रोड ट्रैफिक विक्टिम्स के अवसर पर रविवार शाम को जयपुर शहर की मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी की ओर से जवाहर कला केंद्र के मध्यवर्ती में सड़क दुर्घटनाओं में जान गवां चुके लोगों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

- **शहर के 40 से अधिक स्कूलों के लगभग 600 बच्चे हुए शामिल**
- **रोड ट्रैफिक विक्टिम्स को याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की**

कार्यक्रम में शहर के 40 से अधिक स्कूलों के लगभग 600 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली बच्चों द्वारा बैंड मार्च से हुई। इसके बाद, बच्चों ने विशेष प्रस्तुति के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

निंबार्क भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली

जयपुर। श्री निंबार्क जयंती महोत्सव में रविवार को छोटी काशी जयपुर में जगतगुरु श्री श्रीजी महाराज के मंगल संदेश के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में प्रदेश और देश की अनेक महत्वपूर्ण पीठों और मंदिरों के संत और महंतों के अलावा बड़ी संख्या में निम्बार्क वैष्णव जन सम्मलित हुए।

शोभायात्रा चादनी चौक स्थित श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर से रवाना होकर जयपुर के आराध्य गोविन्द देव मंदिर, सिरह ड्योढ़ी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, त्रिपोलिया गेट होते हुए वापस श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी मन्दिर पहुंच कर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में बैंड बाजा और लवाजमे के साथ बग्घी में विराजमान श्री निंबार्क भगवान और संत वृंदों का अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्प बरसा कर स्वागत किया। शोभायात्रा में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने स्वागत द्वार बनाए, अनेक जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा और निम्बार्क भगवान की पूजा-अर्चना की। संपूर्ण शोभायात्रा में भक्तजन सुमधुर भक्ति संगीत के साथ नाचते-गाते और बजाते हुए भाव विभोर होकर चले। आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में आयोजित धर्म सभा में संतों के आशीर्वचनों के साथ भगवान निम्बार्क द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों पर चलने की सीख दी। वैष्णव जनों से छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग में सनातन और संप्रदाय की रीति नीति के संस्कार डालने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से हम सृष्टि के सबसे बड़े वैष्णव संप्रदाय में जुड़े हुए हैं। ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि नई पीढ़ी को संस्कारी बनाएं। इसके लिए उसे नित्य कर्म और संध्या वंदन के साथ ठाकुर सेवा से जोड़ने की सीख दी जाए।

कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में भक्त जनों ने मंदिर परिसर में पंगत प्रसादी पाई। महोत्सव के तहत सोमवार को शाम 5 बजे समस्त वैष्णवजनों की ओर से श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में युगल शतक पाठ व महाआरती की जाएगी, वहीं 19 नवम्बर को शाम 5 बजे श्री निम्बार्क महिला मंडल की ओर से बधाई गान व डांडिया रास का आयोजन होगा। महोत्सव के तहत 20 नवम्बर को श्री निम्बार्क महिला मंडल व प्रसिद्ध गायक मंडल बधाई गायन और भजन संध्या के कार्यक्रम होंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 21 को दोपहर 3 बजे बधाई गान व शाम 6 बजे छठी महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर स्थानीय भजन मंडलिया भजनों से ठाकुर जी को रिझाएंगे।

श्री निंबार्क जयंती महोत्सव में रविवार को छोटी काशी जयपुर में जगतगुरु श्री श्रीजी महाराज के मंगल संदेश के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में प्रदेश और देश की अनेक महत्वपूर्ण पीठों और मंदिरों के संत और महंतों के अलावा बड़ी संख्या में निम्बार्क वैष्णव जन सम्मलित हुए।

जयकारों के बीच नवीन वेदी में विराजे 32 जिन बिम्ब

जयपुर। मानसरोवर के गौखले मार्ग स्थित सेक्टर-9 के सामुदायिक केन्द्र पर आचार्य विद्यासागर के शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में नवनिर्मित जिनबिम्बों का श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के अंतिम दिन रविवार को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं सम्पन्न हुई। मोक्ष कल्याणक एवं नवीन वेदियों में 32 जिन बिम्बों के विराजमान के साथ पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन हो गया। मोक्ष कल्याणक की क्रियाओं को देखने के लिए समूचा जैन समाज उमड़ पड़ा। इस मौके पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जयपुर में पहली बार 400 जैन बच्चों का उपनयन संस्कार किया गया। साथ ही दोपहर में मुनि संघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह हुआ। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के पिच्छीका परिवर्तन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने श्रीफल भेंट कर मुनिश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

- **मीरामार्ग पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन हुआ**
- **दोपहर बाद हुआ मुनि संघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह**

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जयपुर में पहली बार 400 जैन बच्चों का उपनयन संस्कार किया गया।

अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि रविवार को महामहोत्सव के अन्तर्गत पं. धीरज शास्त्री के निर्देशन में अभिषेक, शांतिधारा के बाद सौधर्म इन्द्र बने महेश-अनिला बाकलीवाल सहित भगवान के माता-पिता पदम कुमार-शशि जैन, कुबेर इन्द्र सुभाष-मीना अजमेरा एवं महायज्ञनायक सुशील-निर्मला पहाड़िया के नेतृत्व में पूजा की गई। शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत पर भगवान के अंतिम दर्शन हुए।

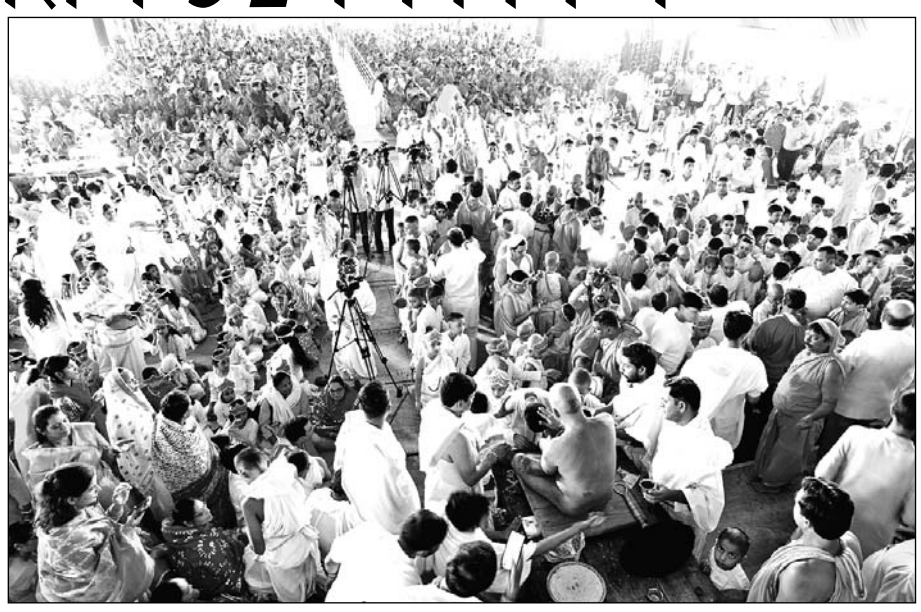

भगवान पार्श्वनाथ के मोक्षगमन का दृश्य देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। इसके बाद अष्ट द्रव्य से निर्वाण कल्याणक की पूजन गई और विश्व शांति महायज्ञ हुआ, जिसमें मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति दी गई। प्रातः 9 बजे मुनिश्री के मंगल प्रवचन के बाद विशाल शोभायात्रा सामुदायिक केंद्र से रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई मीरामार्ग के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंची जहां पर पंचकल्याणक महामहोत्सव में प्रतिष्ठित 32 जिन बिम्बों को जयकारों के बीच नवीन वेदियों में विराजमान किया गया ।

प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक महामहोत्सव के इस मौके पर अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, कार्यकारिणी सदस्य राजेश काला, विजय झांझरी, अशोक गोधा, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, शांति विजय गंगवाल, जिनेन्द्र काला सहित अरुण श्रीमाल ने सहभागिता निभाई। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी प्रमोद पहाड़िया, शीतल कटारिया, दर्शन जैन, विनोद जैन कोटखावदा,पारस कासलीवाल, मनीष चौधरी सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए।

विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर 1 बजे से मुनिश्री का पिच्छिका परिवर्तन समारोह हुआ। नन्हीं बालिकाओं द्वारा मंगलाचरण की नृत्य प्रस्तुति के बाद हवाई मार्ग से पिच्छिकाऐं मंच तक लाई गई। इस दौरान विभिन्न सहयोगियों का सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया।

जयपुर शहर भाजपा की संगठन पर्व कार्यशाला संपन्न

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने कहा कि भाजपा की विचारधारा शहर के बूथ बूथ पर बने, इस हेतु बूथ समितियों का गठन होना चाहिए। अग्रवाल आज आयोजित जयपुर शहर जिला कार्याशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ में जाकर 11 सदस्यी बूथ समिति का गठन इस माह के अंत तक कर देंगे। इसके लिये बूथ समिति में तीन महिलाएं, एक मन की बात प्रमुख, एक वाट्सएप प्रमुख और एक लाभार्थी प्रमुख सहित स्थानीय सामाजिक संरचना को ध्यान में रखकर बूथ समिति का गठन करेंगे।

प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया अभियान में सी.आई.ओ. एसोसिएशन की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। भारत में आईटी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए, सीआईओ एसोसिएशन ने टेक रॉयल्स समिट 2024 के दौरान राजस्थान में अपना 16वां चैप्टर लॉन्च किया।

यह पहल देशभर में तकनीकी विशेषज्ञों और डिजिटल नेताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

जयपुर में आयोजित इस समिट में राजस्थान में आईटी और नवाचार को प्रगति देने के उद्देश्य से भारत के विभिन्न हिस्सों से सीआईओएस, सीआईएसओएस और डिजिटल लीडर्स ने हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने संबोधित करते हुये कहा कि राज्य में ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देने में सीआईओ एसोसिएशन की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान में एसोसिएशन की भूमिका महत्वपूर्ण है।

इस लॉन्च समारोह में राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी नवाचार की सोच को खूबसूरती से जोड़ा गया।

प्रतिभागियों का स्वागत पारंपरिक राजस्थानी प्रस्तुतियों के साथ किया गया, जिसके बाद उन्होंने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एआई और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित सत्रों के द्वारा चर्चा की।एसोसिएशन अपने सदस्यों को सेमिनार, कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से विशेषज्ञता और समाधान साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

साथ मिलकर, हम व्यापार को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं और समाज को तकनीकी रूप से सशक्त बना रहे हैं।

फ्रेंच अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ आज

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के यूरोपीयन भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग तथा भारतीय फ्रेंच शिक्षक संघ के संयुक्त तत्वावधान में जेएलएन मार्ग स्थित यूजीसी-एमएमटीटीसी (एचआरडीसी) के सेमिनार हॉल में सोमवार से "टीचिंग ऑफ फ्रेंच लैंग्वेज: ट्रेडिशन, ट्रांजिशन, अडाप्टेशन" विषय पर त्रिदिवसीय चतुर्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान के वित्त सचिव देबाशीष पृष्टी एवं जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत करेंगे। वहीं राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर अल्पना कटेजा मुख्य अतिथि होंगी।

38वीं राष्ट्रीय काँग्रेस के तहत किए जा रहे इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में फ्रेंच भाषा का भारतीय सन्दर्भ में भावी अध्धयन-अध्यापन, कैरियर स्कोप, संभावनाओं आदि पर गहन मंथन किया जाएगा। राजस्थान विश्वविद्यालय के यूरोपियन भाषा की विभागाध्यक्ष डॉक्टर निधि रायसिंघानी एवं ए टी एफ की प्रेसिडेंट अंजलि लोकुर ने बताया कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य फ्रेंच भाषा के शिक्षण, साहित्य, संस्कृति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शैक्षिणक दृष्टिकोणों पर विचार-विमर्श और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान है।

18 से 20 नवंबर तक आयोजित किए जा रहे इस तीन दिवसीय अकादमिक सम्मेलन में विषय विशेषज्ञ विभिन्न सत्रों के माध्यम से विषयक वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। पूरे भारत से लगभग 200 प्रतिनिधि इस कॉन्फ्रेंस में सहभागिता करेंगे तथा विदेशों से अध्येता यथा- फ्रांस, कनाडा, ताइवान, सिंगापुर और अफगानिस्तान सहित कईं देशों के विशेषज्ञ और पदाधिकारी भी भाग लेंगे।

- **पूरे भारत से लगभग 200 प्रतिनिधि इस कॉन्फ्रेंस में सहभागिता करेंगे**
- **विदेशों से अध्येता यथा- फ्रांस, कनाडा, ताइवान, सिंगापुर और अफगानिस्तान सहित कई देशों के विशेषज्ञ और पदाधिकारी भी भाग लेंगे**

यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन फ्रेंच भाषा के माध्यम से भारत और फ्रांस के मध्य अंतरसंबंधों को बढ़ावा देने, अकादमिक अंतर्दृष्टि और बहुभाषी गतिविधियों के आदान-प्रदान आदि पर केंद्रित है। सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित वक्ता और विशेषज्ञ ज्ञानवर्धक सत्रों के माध्यम से आधुनिक फ्रेंच भाषा शिक्षण के नए आयामों, टीचिंग मेथोडोलॉजी, रिसर्च, अध्धयन-अध्यापन, भाषागत कौशल, करियर व संभावनाएं, आदि पर प्रकाश डालेंगे। प्रति तीन वर्ष में एक बार आयोजित किये जाने वाले इस प्रतिष्ठित सम्मेलन को इस बार राजस्थान विश्वविद्यालय के सहयोग से सम्पन्न किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को कई प्रकाशनों और मीडिया भागीदारों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें गोयल पब्लिशिंग हाउस, लैंगर्स, फ्रेहिंदी, यूनिसेक, आरएफआई, क्ले इंटरनेशनल, टीवी5, कैंपस फ्रांस और भारत में एलायंस फ्रांसेसे नेटवर्क इत्यादि शामिल हैं। क्यूबेक, फ्रांस और भारत के प्रमुख विशेषज्ञों के साथ-साथ फ्रांस के दूतावास और फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के गणमान्य व्यक्ति भी इसमें शामिल होंगे।

देवनानी ने टोक्यो में दिन की शुरुआत मंदिर दर्शन से की

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को जापान पहुंचे। देवनानी ने जापान के टोक्यो में दिन की शुरुआत मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना करके की। इस्कॉन मंदिर में आयोजित प्रातः कालीन भजन कार्यक्रम हरे रामा हरे कृष्णा में देवनानी शामिल हुए। देवनानी ने मंदिर में मौजूद प्रवासी भारतीयों से सनातन परंपरा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा आवश्यक है। साथ ही संस्कारवान होना भी जरूरी है ताकि हम इंसान बन सके और दुनियाभर में इंसानियत के व्यवहार का प्रसार कर सके।

देवनानी के सम्मान में टोक्यो में हिंदू स्वयं सेवक संघ ने स्नेह मिलन का आयोजन किया। देवनानी ने युवाओं का आव्हान किया कि भविष्य की चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को विश्व बंधुत्व की भावनाओं के अनुरूप मानवता, सहिष्णुता, धैर्य जैसे गुणों का जीवन में समावेश करना होगा।

देवनानी ने कहा कि विश्व बंधुत्व आवश्यक है। समग्र चेतना का जागरण आज की आवश्यकता है।

पुलिस पर जानलेवा हमला करने वाली एस्कॉर्ट गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुरलीपुरा पुलिस ने हत्या की कोशिश के मामले में फरार एस्कॉर्ट गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। फरार दोनों बदमाशों ने पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला कर कार चढ़ाने का प्रयास किया था। पिछले डेढ़ महीने से फरार दोनों बदमाश जयपुर शहर के पॉश इलाके में गेस्ट हाउस लेकर फरारी काट रहे थे। पुलिस पूर्व में एस्कॉर्ट गैंग की सात युवतियों सहित दस लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एस्कॉर्ट गैंग के फरार बदमाश दीपक मीणा (22) पुत्र रामस्वरूप मीणा निवासी मौजमाबाद दूदू और कैलाश चन्द डूडी (27) पुत्र हीरालाल डूडी निवासी दांतारामगढ सीकर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि मुरलीपुरा थाना इलाके में आरोपित 27 सितम्बर की सुबह तीन युवतियों को लेकर मुरलीपुरा इलाके में गए थे। इस दौरान आरोपियों ने एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर दस हजार रुपए पहले देने की मांग की। रुपए नहीं देने पर एस्कॉर्ट गैंग के बदमाशों ने डंडे से एक युवक पर हमला कर दिया था। फिर फरार हो गए। गंभीर हालत में घायल युवक को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था।

साथ ही पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई की। छापेमारी का पता चलने पर दोनों बदमाश फरार हो गए थे। पुलिस से बचने के लिए दोनों बदमाश उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में छिपते हुए घूमते रहे। कुछ समय बाद जयपुर के पॉश इलाके में गेस्ट हाउस लेकर फरारी काटने लगे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर दोनों फरार बदमाश दीपक मीणा और कैलाश चन्द डूडी को गिरफ्तार किया।

गौरतलब है कि मुरलीपुरा थाना इलाके में 27 सितंबर को सुबहएस्कॉर्ट सर्विस बुकिंग के नाम पर कार में आए लड़कों और लड़कियों ने रुपए लेकर दो लड़कों से मारपीट की थी। मुरलीपुरा पुलिस ने हालत गंभीर होने पर एक युवक को प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती करवाया था।बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस टीम को लगाया गया।

राजस्थान की महिला टीम का अखिल भारतीय विद्युत बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान के विद्युत निगमों की महिला बैडमिंटन टीम ने अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 सिल्वर और 1 ब्रांज मेडल प्राप्त किया है। पवन शर्मा, कार्यकारी सदस्य, अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड ने जानकारी दी कि 12 से 14 नवम्बर तक वडोदरा, गुजरात में आयोजित की गई 46वीं अखिल भारतीय विद्युत बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान के विद्युत निगमो से पुरुषों के शतरंज व बैडमिंटन में 8 खिलाड़ियों की टीम तथा महिलाओं की बैडमिंटन में 5 खिलाड़ियों की टीम ने भाग लिया।

- **अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में 2 मेडल प्राप्त किये**
- **बैडमिंटन डबल्स में सिल्वर और टीम मैचों में ब्रांज मेडल**
- **महिला डबल्स में पूनम पिलानिया और पूजा मान ने पहली बार रजत पदक प्राप्त किया**

राजस्थान के विद्युत निगमों की महिला बैडमिंटन टीम ने अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मेडल प्राप्त किये हैं।

राजस्थान से विद्युत निगमो की महिला टीम ने लगातार दूसरी बार अखिल भारतीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में भाग लेते हुए 2 मेडल प्राप्त किये है।

राजस्थान की टीम के मैनेजर डी.के. सैनी, अधीक्षण अभियंता, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम ने बताया कि प्रतियोगिता में सभी खेलों में राजस्थान के खिलाड़ियों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया लेकिन अन्य राज्यों के भी अनुभवी खिलाडी और मुकाबला कठिन होने के कारण महिलाओं के बैडमिंटन खेल में ही सफलता हासिल हो सकी।

अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त करने वाली महिला बैडमिंटन टीम में दीपिका कालेर तकनीकी प्रबंधक राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम, पूनम पिलानिया कनिष्ठ अभियंता सूरतगढ़ सुपरक्रिटिकल थर्मल विद्युत गृह, पूजा मान कनिष्ठ लेखाकार कोटा थर्मल विद्युत गृह, श्वेता केन कनिष्ठ अभियंता राजस्थान ऊर्जा विकास निगम, हेमलता सुमन कनिष्ठ अभियंता राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम है। इसी प्रकार रजत पदक प्राप्त करने वाली महिला डबल्स बैडमिंटन टीम में पूनम पिलानिया और पूजा मान रही।

सभी खिलाड़ियों के आगमन पर उनका अपने अपने कार्य स्थलों पर स्वागत किया गया और विद्युत निगम के सीएमडी, प्रबंध निदेशक, निदेशक, मुख्य कार्मिक अधिकारी सहित उच्चाधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी गई है।

शराब के नशे में दी थी जयपुर में बम विस्फोट की धमकी

जयपुर। विधायकपुरी थाना पुलिस ने छोटी और बड़ी चौपड़ को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपित मामा और दो भांजों को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो सामने आया कि दिन में उन्होंने ज्यादा शराब पी ली थी। शराब के नशे में मामा ने नाबालिग भांजे को पुलिस कंट्रोल रुम को कॉल मिलने को कहा और कॉल उठाने पर आरोपियों ने दोनों चौपड़ को बम से उडाने की बात मजाक में कह दी। हालांकि इस मजाक ने मामा-भांजों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि पुलिस ने धमकी भरे कॉल करने वाले मोबाइल नंबर को ट्रेसिंग पर लगाया था। सिम कार्ड जिस युवक के नाम से जारी हुआ था। पुलिस टीम ने शनिवार रात संदिग्ध को पकड़कर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपने मामा के साथ शराब के नशे में कॉल करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपित नेमीचंद खटीक (35) और पिंटू खटीक उर्फ प्रवीण (22) निवासी महल योजना प्रताप नगर को गिरफ्तार किया गया। वहीं मामले में साथी नाबालिग भांजे को भी पुलिस ने निरुद्ध किया है।

ज्वैलर से सोने की चेन ठगी

जयपुर । वैशाली नगर थाना इलाके में ज्वेलर्स को धोखा देकर सोने की चेन ठगने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि खरीदारी के बहाने ग्राहक बनकर बदमाश खरीदारी करने शोरूम पर आया था और ज्वेलर्स को पेमेंट का फर्जी स्क्रीन शॉट दिखाकर सोने की चेन ठग ले गया।

लाखों का पैकेज छोड़ हर्षाली कोठारी वैराग्य जीवन की शुरुआत करेगी

बंगलौर की एक मल्टीनेशनल कंपनी की करीब 32 लाख रुपए की जॉब छोड़ी

अजमेर, (कासं)। ब्यावर की रहने वाली एक 28 साल की युवती बंगलौर की एक मल्टीनेशनल कंपनी की करीब 32 लाख रुपए की जॉब को छोड़कर वैराग्य जीवन की शुरुआत करने जा रही है। अजमेर के ब्यावर में रहने वाली हर्षाली कोठारी आगामी तीन दिसम्बर को दीक्षा लेंगी। रविवार को अजमेर में हर्षाली कोठारी के परिवार व जैन समाज ने गोद भराई और वरघोड़ा का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

साफ्टवेयर इंजिनियर की आलीशान नौकरी छोड़कर संयम पथ पर चलने का निर्णय करने वाली हर्षाली कोठारी का आराधना भवन में जैन समाज ने गोद भराई की व अभिनंदन अजमेर में किया गया। अरिहंत कॉलोनी से वरघोड़ा शुरू होकर स्वाध्याय भवन पहुंचा। हर्षाली ने यहां विराजित महासती श्रद्धेयश्री सुशीला कंवर महाराज के दर्शन, नमन व वन्दन किया तथा धर्म में सफल रहने की कामना के साथ मांगलिक श्रवण किया। बग्घी व बैण्ड-बाजे के साथ चल रहे जुलूस का महावीर कॉलोनी में स्वागत किया गया। समारोह स्थल आराधना भवन में दीक्षार्थी बहन हर्षाली की संघ व समाज द्वारा गोद भराई की गयी और शॉल ओढ़ाकर व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इसके बाद मंगल गीत व भजन हुए। ब्यावर निवासी अशोक कुमार व उषा कोठारी की पुत्री तथा अजमेर निवासी दिलीप व प्रमोद ढाबरिया की भतीजी हर्षाली की जैन भागवती दीक्षा आचार्य रामलाल जी महाराज की आज्ञा में 3 दिसम्बर को होगी।

हर्षाली कोठारी के परिवार व जैन समाज ने गोद भराई और वरघोड़ा का कार्यक्रम आयोजित किया।

हर्षाली के पिता अशोक कोठारी ने बताया कि हर्षाली ने जयपुर के लक्ष्मी निवास मित्तल कॉलेज से 2017-18 में कंप्यूटर साइंस में बीटेक किया था उसके बाद बंगलौर की एक मल्टीनेशनल कंपनी में बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर काम कर रही थी। जब कोरोना काल के समय हर्षाली वर्क फ्रॉम होम काम कर रही थी तो उस समय ब्यावर में जैन संत रामलाल महाराज सा का चातुर्मास कार्यक्रम चल रहा था। हर्षाली ने चातुर्मास के कार्यक्रम शिरकत की और उसी समय से दीन दुनिया से दूर होकर धर्म के प्रति झुकाव बढ़ता गया। कोरोनाकाल ख़त्म होने के बाद जब कंपनी की और से वापस ऑफिस आकर काम करने के लिए कहा गया तो हर्षाली ने नौकरी छोड़ दी और पूरी तरह से धर्म का साथ देने लगी। अब हर्षाली आगामी तीन दिसम्बर को दीक्षा लेकर संयम पथ पर चलने का संकल्प लेगी।

- ब्यावर में रहने वाली हर्षाली कोठारी आगामी तीन दिसम्बर को दीक्षा लेंगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लगातार तीसरे दिन महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार किया

जलगांव/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र प्रवास के दौरान रविवार को जलगांव में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से डबल इंजन की सरकार में महाराष्ट्र के विकास को गति देने के लिए भाजपा-महायुति प्रत्याशी सुरेश दामू भोले को भारी मतों से विजयी बनाने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में परिवर्तन आया है और गरीब कल्याण की योजनाओं, विकास कार्यों के माध्यम से भाजपा सरकार ने देश की तकदीर बदलने का काम किया है। जबकि, 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार में घोटालों और भ्रष्टाचारों की नई इबारतें लिखी जाती थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा झूठ, लूट, और तुष्टीकरण की राजनीति की है और भ्रम और भ्रष्टाचार ही फैलाया है। राजस्थान में हमारी डबल इंजन की सरकार ने 11 महीनों में ही संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत वादों को पूरा करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भी महायुति सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान और महाराष्ट्र शक्ति और भक्ति की धरती है। राजस्थानियों की राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक एकता और देश के विकास में अहम भूमिका रही है तथा उन्होंने दुनिया के हर कोने में प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार 9 से 11 दिसंबर को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है। इससे निवेश के नए अवसर के साथ ही प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से इस निवेश सम्मेलन में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया।

इस दौरान श्रीकांत खटोड, अतुल जैन, डॉ. राजेन्द्र फडके सहित बडी संख्या में प्रवासी राजस्थानी प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विधानसभा चुनाव के तहत महाराष्ट्र प्रवास पर हैं और लगातार तीन दिन से भाजपा-महायुति प्रत्याशियों के समर्थन में प्रवासी राजस्थानी कार्यक्रम में सहभागिता निभा रहे हैं। जलगांव में आयोजित इस सम्मेलन में सकल राजस्थानी समाज ने मुख्यमंत्री के सम्मान में हर वर्ष 17 नवम्बर को राजस्थानी सम्मेलन के आयोजन की घोषणा की।

धीरज गुर्जर ने अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा जिले के कोटड़ी उपखंड क्षेत्र के कोठाज गांव में शनिवार देर शाम को भजन संध्या कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक धीरज गुर्जर ने इशारों में अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकाया है। गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कोई आपकी बात प्रेम से नहीं मानता, तो जरबे मेलने (जूते मारने) के लिए आपका बेटा धीरज तैयार है। गुर्जर शनिवार रात भीलवाड़ा के कोठाज गांव में भजन संध्या कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। इससे पहले (2 महीने पहले) भी धीरज गुर्जर पुलिस को जूते मारने की बात कह चुके हैं।

पूर्व विधायक धीरज गुर्जर ने भजन कार्यक्रम में कहा कि आप लोग चिंता मत करो, यह जवानी भी आपके नाम है और बुढ़ापा भी। जब तक धीरज गुर्जर जिएगा, तब तक कोटड़ी और कोठाज गांवों को छोड़ने वाला नहीं है। अपने चेहरे पर आप कमजोरी मत लाओ। अपनी लड़ाई लड़ने के लिए मन में विश्वास रखो। आपका काम करने के लिए धीरज गुर्जर है। अगर कोई आपकी बात प्रेम से नहीं मानता तो जरबे मेलकर (जूते मारकर) काम कराने के लिए आपका बेटा धीरज तैयार है। इस मामले में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल और जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने गुर्जर के इस बयान को निंदनीय बताते हुए अधिकारियों का मनोबल तोड़ने वाला बताया है।

तीर्थ पुरोहितों एवं युवाओं ने घाटों की सफाई की

पुष्कर (निसं.)। रविवार को तीर्थ पुरोहितों एवं युवाओं ने पुष्कर में घाटों की सफाई की। ब्रह्म घाट से शुरू होकर गऊ घाट के रेगरान घाट तक सघन अभियान चलाकर पूर्ण सफाई की गई। जगह-जगह कचरे व खाद्यय सामग्री के ढेर लगे हुए थे। अभियान तीन चरणों में चलाया जायेगा। प्रथम चरण की शुरुआत में पं. मधुसूदन पाराशर के साथ सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर, बैजनाथ पाराशर, विनोद पाराशर, शिद्धार्थ डोलिया, देव पाराशर, पंकज पाराशर, देवेंद्र, रविकांत, आशीष, विश्वास राजगुरु, सिद्धांत पाटोदिया आदि ने तीर्थ को स्वच्छ, सुंदर बनाने मे अपना योगदान दिया। सोमवार को पुनः गऊ घाट से आगे की सफाई की जाएगी।

पशुओं के चारे में आग लगी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के जसरापुर पंचायत के कोठी की ढाणी में पशुओं के चारे में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग लगने से 90 मण कड़बी जलकर राख हो गई। सूबेदार महेंद्र सिंह ने बताया वह अपने घर के बरामदे सो रहे थे। उनके पुत्रवधू प्रिया कंवर पानी पीने के लिए रसोई में गई तब उसने देखा कि बाहर कड़बी आग लगी हुई है। इस दौरान उसने देख कर जोर-जोर से शोर मचाया शोर मचाने की आवाज सुनकर परिजन तथा आसपास के लोग कोई बाल्टी लेकर तो कोई मटके लेकर आग बुझाने का प्रयास करने लगे। सिंगल फेस की लाइट चालू होने पर जेईएन अशोक गुर्जर को फोन पर सूचना देकर श्री फेस कि लाइन जुड़वाई तथा मोटर चलाकर आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि कोई जन, धन एवं पशु हानि नहीं हुई।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर पहुंचे, विपक्ष पर तीखा हमला बोला

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अनुच्छेद 370 को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दो टूक कहा कि अनुच्छेद 370 इस देश में अलगाव का बीज था, जड़ थी, देश के मस्तक पर एक काले टीके के समान था, जिसको नरेंद्र मोदी और अमित शाह के सक्षम नेतृत्व ने जमींदोज करते हुए दफन कर दिया। जैसा गृह मंत्री ने चुनाव की रैली को संबोधित करते हुए कहा, स्वयं इंदिरा गांधी स्वर्ग से लौटकर वापस यदि आ जाएं तो भी 370 वापस देश में लागू नहीं होगा। रविवार को शेखावत अल्प प्रवास पर जोधपुर पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर मीडिया से रू-ब-रू हुए।

वक्फ कानून को लेकर विपक्ष की आपत्तियों के सवाल पर शेखावत ने कहा कि इस पर अधीरता की आवश्यकता नहीं है। ये अभी ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के पास में है। वो इसे स्टडी कर रही है। सभी स्टेकहोल्डर से बातचीत कर रही है। एक बार कमेटी की रिपोर्ट आ जाने दीजिए, लेकिन मुझे यह समझ में नहीं आता कि देश में जब कोई प्रोग्रेसिव कानून बनाने की चर्चा हो रही है, तब कुछ लोगों के पेट में क्यों दर्द हो रहा है? इसकी जानकारी हम सबको करनी चाहिए। जोधपुर एलिवेटेड रोड को लेकर शेखावत ने कहा कि जोधपुर एलिवेटेड रोड के लिए पिछले कई वर्षों से हम सब मिलकर प्रयास कर रहे थे। प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने जो वादा जोधपुर के लोगों से किया था, मेरे अनुरोध को स्वीकार करते हुए अब वो प्रयासों और अवरोधों को पारकर टेंडर के स्टेज पर आ गया है। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले दो महीने में हम टेंडर की प्रक्रिया को पूरी कर इसका काम शुरू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि एलिवेटेड रोड की 968 करोड़ रुपए की बेसिक कास्ट कैल्कुलेट की गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग दिखाई देने लगी है। आने वाले तीन-चार महीने में यह बिल्डिंग पूरी हो जाएगी। इसे पूरा होने पर जोधपुर में आवागमन को लेकर बहुत बड़ा लाभ होगा। साथ ही, रेलवे स्टेशन का री-डेवलपमेंट का काम शुरू हो चुका है। 500 करोड़ रुपए की लागत से जोधपुर रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण एयरपोर्ट की तर्ज पर हो रहा है। शेखावत ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार है। हम जोधपुर लोकसभा क्षेत्र को राजस्थान के सभी क्षेत्रों में जिस तरह से विकास हो रहा है, उसमें अग्रणी रखते हुए हम जोधपुर में काम करें, इस दृष्टिकोण से हम सब पार्टी परिवार के लोग जुटे हैं। शहर में हुए अनिता हत्याकांड को लेकर पूछे सवाल पर उन्होंने कहा कि पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच को लेकर मुझे लगता है कि अधीरता प्रदर्शित नहीं करनी चाहिए। जांच की जल्दबाजी के कारण से कोई अपराधी न बचे और कोई निरपराध जेल भी न जाए, दोनों का ध्यान रखते हुए, जिसने अपराध किया, उन सबके खिलाफ कठोरता कार्रवाई हो।

महिला और पुरुष ने होटल के रूम में आत्महत्या का प्रयास किया

अस्पताल में युवक की मौत, युवती का उपचार जारी

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में महिला और पुरुष ने होटल के रूम में आत्महत्या का प्रयास किया है। पुलिस को होटल के रूम में संदिग्ध परिस्थिति में महिला और पुरुष बेहोशी की हालत में मिले थे। इन्हें पुलिस उपचार के लिए एमबीएस अस्पताल ले गई लेकिन उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस की जांच में अब तक सामने आया है कि दोनों बारां जिले के निवासी हैं। दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी बारां जिले के पाली थाने में दर्ज हैं। पूरे मामले में पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस प्रेम-प्रसंग के एंगल से जांच पड़ताल कर रही है।

मौके पर पहुंचे असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर काशीराम का कहना है कि होटल के स्टाफ से सूचना मिली थी कि एक महिला-पुरुष बेहोशी की हालत में कमरे में पड़े हुए हैं। कमरा लॉक भी नहीं था। शनिवार देर रात को ही दोनों को अस्पताल में भर्ती करवा दिया था। होटल से दोनों के आईडी भी मिले हैं। सामने आ रहा है कि युवक 22 वर्ष का और महिला उसकी भाभी है। फिलहाल बयान देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में इनके परिजनों को सूचना दी गई है। उनके आने के बाद ही पूरे मामले में जांच पड़ताल होगी और घटनाक्रम सामने आएगा। बताया जा रहा है कि यह दोनों कुछ समय से अपने गांव से लापता हो गए थे, जिनके संबंध में पाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने दर्ज करवाई हुई है। परिजनों के अनुसार महिला के दो बच्चे हैं।

- बताया जा रहा है कि युवक 22 वर्ष का और महिला उसकी भाभी है

पानी व सीवर लाइन को लेकर क्षेत्रवासियों ने प्रदर्शन किया

प्रदर्शनकारियों ने जलदाय विभाग की पाइप लाइन और नगर निगम द्वारा डाली जा रही सीवर लाइन में खामियों का आरोप लगाया

अजमेर, (निसं)। अजमेर दक्षिण विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली के नेतृत्व में वार्ड नंबर 46 के एकता विहार कॉलोनी के निवासियों ने पानी व सीवर लाइन को लेकर रविवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जलदाय विभाग की पाइप लाइन और नगर निगम द्वारा डाली जा रही सीवर लाइन में खामियों का आरोप लगाया।

इस दौरान द्रौपदी कोली ने कहा कि जलदाय विभाग की पाइप लाइन गलत तरीके से डाली जा रही है, जिससे क्षेत्रवासियों को आने वाले दिनों में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा डाली जा रही सीवर लाइन में भी गंभीर खामियां हैं। सीवरेज के चैंबर मापदंडों के अनुरूप नहीं बनाए गए हैं, जिससे सीवरेज व्यवस्था पूरी तरह से अव्यवस्थित हो गई है। कोली का कहना है कि संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर निरीक्षण के लिए नहीं आते हैं। भाजपा शासन में ठेकेदार मनमानी कर रहे हैं और गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि काम में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में आंदोलन किया जाएगा। इस संबंध में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जिला कलेक्टर लोक बंधु से मुलाकात करेगा और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करेगा। कोली ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता और प्रशासन को जल्द ही सकारात्मक कदम उठाने होंगे।

प्रदर्शन में क्षेत्र के कई वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और युवा शामिल हुए। सभी ने जलदाय विभाग और नगर निगम के कामकाज पर नाराजगी जाहिर की। कोली ने कहा कि भाजपा का पार्षद कभी मौके पर नहीं आएए कांग्रेस द्वारा शिकायत करने के बाद भी अधिकारी अनसुना कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

- नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली के नेतृत्व में वार्ड 46 के एकता विहार कॉलोनी के निवासियों ने पानी व सीवर लाइन को लेकर प्रदर्शन किया

वर पक्ष ने टीके में मिले रूपये वापस लौटाए

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी की प्रेरणा से प्रेरित होकर दूल्हे सहित परिजनों ने टीका के दौरान प्राप्त डेढ़ लाख की नगदी लौटाकर मिशाल कायम की। केंद्रीय मंत्री चौधरी न्यू हाऊसिंग बोर्ड चतूर्थ फेज निवासी भवानी सिंह राठौड़ की बहन राजू कंवर के विवाह में शामिल हुए।

सामेला की रस्म के दौरान वधु पक्ष के परिजनों द्वारा टीका में एक लाख इक्कयावन हजार रुपये दिए जा रहे थे। इस बीच केंद्रीय मंत्री चौधरी ने कहा कि कन्यादान कर रहे हो, यह कम है क्या। दूल्हा भरत सिंह, पिता सुमेर सिंह सहित परिवारजनों ने मिशाल कायम कर डेढ़ लाख नगदी केंद्रीय मंत्री चौधरी को सौंपते हुए कहा हमें लड़की मिल रही है, यह कम बात नहीं है। इस परंपरा को समाप्त करना चाहिये।

कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के अमबामाता थाना पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए फरहान अख्तर उर्पु चिकना पुत्र अब्दुल फरीद निवासी छबिला भैरू मार्ग मुखर्जी चौक थाना सूरजपोल हॉल अहमद हुसैन कॉलोनी अम्बामाता को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 52 ठाम एमडीएमए तथा देशी पिस्टलय मय एक कारतूस जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। पूछताछ में आरोपी फरहान ने मादक पदार्थ एमडीएम सद्दाम हुसैन उर्फ भोला पुत्र रईस भाई निवासी कच्ची बस्ती छोटीसादड़ी रोड़ निम्बाहेडा से मंगवाना स्वीकार किया। सद्दाम ने उक्त मादक पदार्थ फैजान खान निवासी कच्ची बस्ती इमामवाड़ा छोटी सादडी रोड़ निम्बाहेडा व मोहसिन खान उर्फ पिन्टू पुत्र मो.शाहिद खान पठान निवासी ईशाकाबाद मस्जिद के पास बडोली रोड़ निम्बाहेडा के माध्यम से पहुंचाई थी एवं पूर्व में इनसे मादक पदार्थ लाने की बात स्वीकार किया। वहीं देशी पिस्टलय मय कारतूस दशहरा मैदान के पीछे बाबू बस्ती थाना निम्बाहेडा निवासी ईमरान उर्फ कटी से 40 वे मोहर्रम के दिन निम्बाहेडा से 30 हजार रूपये में खरीदना बताया।

जोराराम और मदन राठौड़ ने सुरेशगिरी की कुशलक्षेम पूछी

पाली, (नि.सं.)। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत रविवार को पाली के बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और घायल नागा बाबा बगेची के महंत सुरेश गिरी से मुलाकात की और कुशलक्षेम पूछी। वहीं उसी वार्ड में भर्ती घायल पंडित ओमदत्त दवे से भी मिले। वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ रविवार सुबह पाली के बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे। वे यहां भर्ती नागा बाबा बगेची के महंत सुरेश गिरी और मारपीट में घायल पंडित ओमदत्त से मिले और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इससे पूर्व हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. एचएम चौधरी ने उनका स्वागत किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ महंत सुरेश गिरी से मिले और उनके स्वास्थ्य के बारे में डॉ. प्रभुदयाल से जानकारी ली। उन्होंने संत को आराम करने की बात कही, जिससे वे जल्द ठीक हो जाए। उसके बाद वे इसी वार्ड में भर्ती घायल पंडित ओमदत्त से मिले और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेकर परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उसके बाद वे वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों और उनके परिजनों से भी मिले और उसके स्वास्थ्य लाभ के बारे में पूछा।

जानकारी के अनुसार गत 10 नवम्बर की सुबह नागा बाबा बगेची के महंत सुरेशगिरी आरती के समय मंदिर में जा रहे थे। इस दौरान उन्हें बांरा जिले के टंकी मोहल्ला (नाहरगढ़) निवासी भवानीशंकर (32) पुत्र मथुरालाल एक कुत्ते को लेकर मंदिर परिसर में टहलता हुआ मिला। इस पर उन्होंने डॉग को बाहर ले जाने के लिए भवानी शंकर से कहा, तो वह गुस्सा हो गया और धारदार हथियार से उन पर जानलेवा हमला कर दिया था। जिसमें महंत घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी भवानी शंकर फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया था।

इसी तरह 13 नवंबर की सुबह औद्योगिक थाने क्षेत्र के राजनगर में अपने प्लॉट पर पंडितों के साथ सुंदरकांड का पाठ कर रहे पंडित ओमदत्त दवे पर सुरेंद्रसिंह राजपूत ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला किया था। जिसमें ओमदत्त दवे गंभीर घायल हो गए थे। उसे बचाने का प्रयास करने पर अन्य पंडितों पर भी आरोपियों ने हमला किया था। घायल ओमदत्त का फिलहाल बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है।

- गत 10 नवम्बर की सुबह नागा बाबा बगेची के महंत सुरेशगिरी पर हमला हुआ था

डॉ. घासीराम वर्मा दंपती के विवाह की डायमंड जुबली पर मरूधरा संस्कृति की झलक बिखरी

मैं द्वापर के कृष्ण से भी सौभाग्यशाली हूं, मुझे कलयुग में रूकमणी मिली : डॉ. घासीराम वर्मा

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिले के मंडावा उपखंड के टीलों की धरती के छोटे से गांव सिगड़ी के गुदड़ी के लाल प्रख्यात गणितज्ञ डॉ. घासीराम वर्मा जो करोड़पति फकीर, बेदाग चदरिया, कर्मदूत और शिक्षक शिरोमणि जैसे उपनामों से भी विख्यात हैं, उनके और उनकी पत्नी रुकमणी देवी के विवाह की 75वीं वर्षगांठ डायमंड जुबली पर्व शहर के एक महाविद्यालय के परिसर में धूमधाम से मनाई गई। इस वैवाहिक वार्षिक उत्सव के मुख्य अतिथि डॉ. वर्मा दंपती के तीनों अमेरिका प्रवासी पुत्र ओमप्रकाश, सुभाष और आनंद मौजूद थे। काफी वर्षों के पश्चात ये विशेष अवसर था जब डॉ. वर्मा परिवार के पांच सदस्य एक साथ अपनी जन्मस्थली भारत भूमि पर एकत्रित हुए।

समारोह में सर्वप्रथम आगंतुक मेहमानों और महाविद्यालयों की बालिकाओं के बीच देवी रूकमणी ने डॉ. वर्मा को और डॉ. वर्मा ने रूकमणी देवी को माला पहनाई और इस खुशी के अवसर पर तीनों बेटों ने 7.5 किलो ग्राम का केक काटकर खिलाया। डॉ. वर्मा ने कहा कि मैं द्वापर के कृष्ण से भी सौभाग्यशाली हूं कि जिसको कलयुग में भी रूकमणी मिली और मैं आज जो भी हूं इन्हीं की बदौलत हूं। समारोह में राजस्थानी संस्कृति के संवाहक और विख्यात लिलन घोड़ी, कच्छी घोड़ी के नृतक कलाकार बनवारी और मेहरी जय चौधरी की टीम ने शानदार प्रस्तुतियां दी। साथ ही महाविद्यालय की बालिकाओं ने भी रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। तीनों मेहमानों ने अपने वक्तव्यों में बताया कि जब-जब भी वो अपनी मातृभूमि भारत आते हैं तो उन्हें एक असीम शांति की अनुभूति होती है और साथ ही अपने माता-पिता की शादी के डायमंड जुबली के अवसर पर समारोह में सम्मिलित होना अद्वितीय अनुभव रहा।

इस अवसर पर महाविद्यालय समिति के सचिव डॉ. हनुमानप्रसाद, सहसचिव हरिराम महन, कोषाध्यक्ष डीवी शास्त्री, संस्था प्राचार्य रामस्वरूप जाखड़ और विजय गोपाल मोटसरा ने मेहमानों का स्वागत अभिनंदन किया। समारोह में पूर्व विधायक डॉ. मूल सिंह शेखावत, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी डॉ. जैसाराम, कुंभाराम डोगीवाल, मरूधरा हुंडई के पृथ्वी सिंह राव, सीए मनीष अग्रवाल, विमला ढाका, विमला जाखड़, कर्नल वासुदेव, भागीरथ सिंह, फूलचंद ढेवा, मनफूल बिजारनीया, सरपंच अमरसिंह नूनिया, कृष्ण गावड़िया, पूर्व तहसीलदार राजेंद्र थौरी, नेमीचंद पूनिया, श्रीराम बाबल, नानक पूनिया, महाविद्यालय स्टाफ, समिति सदस्य और गणमान्यजन और छात्राएं उपस्थित रही। विजय गोपाल मोटसरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

करोड़पति फकीर के नाम से प्रसिद्ध डॉ. घासीराम वर्मा दंपती के विवाह की डायमंड जुबली पर 7.5 किलो का केक काटा।

- गांव सिगड़ी के डॉ. घासीराम वर्मा और उनकी पत्नी रुकमणी देवी के विवाह की 75वीं वर्षगांठ मनाई

शमी को देखकर लग रहा है कि वह मैच खेलने जा सकता है। जितनी बॉलिंग करेगा, अभी उसके लिए उतना अच्छा है। नेट पर बॉलिंग और मैच में बॉलिंग करने में जमीन-आसमान का फर्क होता है।'' **- लक्ष्मी रतन शुक्ला**

बंगाल के कोच, मोहम्मद शमी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

श्रेयस अय्यर

डोमेस्टिक टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में मुंबई की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। इसके लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने 17 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेला जाएगा। मुंबई का पहला मैच गोवा से है। पहले रिपोर्ट्स आई थी कि रणजी ट्रॉफी की तरह रहाणे ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी मुंबई की कप्तानी संभालेंगे। लेकिन टी-20 फॉर्मेट को ध्यान में रखते हुए अय्यर को कप्तान बनाया गया है। रविवार को के एक अधिकारी ने कहा, अय्यर सैयद मुश्ताक अली के लिए मुंबई की टी-20 टीम के कप्तान रहेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... मोरक्को पहला अफ्रीकी देश था जो विश्व कप फुटबॉल के दूसरे दौर में पहुंचा, उसने 1986 के मैक्सिको विश्वकप में यह उपलब्धि हासिल की।

कोहली इमोशनल, उन्हें टारगेट बनाओ, न्यूजीलैंड से हारकर दबाव में होंगे : मैक्ग्रा

पर्थ, 17 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को विराट कोहली पर दबाव बनाने की सलाह दी है। 54 साल के इस दिग्गज ने कहा, आउट ऑफ फॉर्म चल रहे कोहली खराब शुरुआत के चलते दबाव में होंगे। कंगारुओं को उन्हें टारगेट बनाना चाहिए। न्यूजीलैंड से हार के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पास उनके खिलाफ काफी गोला-बारूद है।'' भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत 22 नवंबर से हो रही है। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। टीम इंडिया को वहां 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है और यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है। भारत को अपने दम पर फाइनल तक पहुंचने के लिए 5 में से 4 मैच जीतने ही होंगे। मैक्ग्रा ने ऑस्ट्रेलियन मीडिया हाउस फॉक्स क्रिकेट से कहा, कोहली पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं।'' फॉक्स ने कहा कि पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय बैटिंग के लीडर रहे कोहली खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस साल 6 मैचों में उनका औसत 22.72 का रहा है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में भी कोहली कुछ खास नहीं कर पाए। खराब फॉर्म से जूझते रहे। अब ऑस्ट्रेलिया में सीरीज से पहले चोटिल शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। कप्तान रोहित शर्मा पहला टेस्ट खेलेंगे या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। कोहली पर बैटिंग लाइनअप को लीड करने का दबाव होगा। मैक्ग्रा की चेतावनी- ज्यादा आक्रामकता से नतीजा उल्टा भी हो सकता है मैक्ग्रा ने अपने प्लेयर्स को चेतावनी भी दी है कि कोहली को ज्यादा आक्रामक तरीके से निशाना बनाना नुकसान भी कर सकता है। हो सकता है कि कोहली दबाव से बाहर आ जाएं और खड़े हो जाएं, डट जाएं क्योंकि कोहली ऐसा खिलाड़ी है, जिसकी फॉर्म खराब चल रही है तो चल रही है, लेकिन अगर वो डट जाएगा तो डट ही जाएगा। बता दें कि कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले चार दौरों में 54.08 के प्रभावशाली औसत से रन बनाए हैं।

पर्थ टेस्ट में ओपनिंग कर सकते हैं केएल राहुल

नई दिल्ली, 17 नवम्बर। टॉप ऑर्डर बैटर शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वे शनिवार को प्रैक्टिस मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। हाल ही में दूसरी बार पिता बने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह कप्तान होंगे। वहीं, केएल राहुल पहले टेस्ट में ओपनिंग कर सकते हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने वाका में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। राहुल को शुक्रवार को प्रैक्टिस मैच के दौरान दायीं कोहनी में चोट लग गई थी। उधर, देवदत्त पडिक्कल को ऑस्ट्रेलिया में ही रोक लिया गया है। वे पिछले 20 दिनों से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट खेलने गई इंडिया-ए टीम का हिस्सा थे। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम मैनेजमेंट ने सिलेक्शन कमेटी से बात करने के बाद पडिक्कल को सीनियर टीम के बैकअप के लिए ऑस्ट्रेलिया में ही रोक लिया है। भारतीय टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई है। टीम दौरे की शुरुआत 22 नवंबर से पर्थ में पहले टेस्ट के साथ करेगी। वहां भारतीय टीम को 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। रोहित दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम से जुड़ेंगे। रोहित ने और सिलेक्शन कमेटी को पहले ही बता दिया था कि वे पर्थ टेस्ट को मिस कर सकते हैं। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा, जो डे-नाइट मैच है। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित दूसरी बार पिता बने हैं। उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने 15 नवंबर को देर रात बेटे को जन्म दिया। रोहित की गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह कप्तान होंगे। वहीं, केएल राहुल पहले टेस्ट में ओपनिंग कर सकते हैं। स्लिप में फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए थे गिल शुभमन गिल को शनिवार को पर्थ में मैच सिमुलेशन के दौरान स्लिप में फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगी थी। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक उनके अंगूठे में फ्रैक्चर है और वे पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हालांकि गिल की चोट को लेकर की ओर से अब तक कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को 209 से स्कोर पर ढेर किया

पल्लेकेले, 17 नवंबर। महीश तीक्षण और जेफ्री वैंडरसे (तीन-तीन) विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने रविवार को दूसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड को 209 के स्कोर पर ढ़ेर दिया। आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। टिम रॉबिंसन (चार) और हेनरी निकल्स (आठ) रन बनाकर आउट हुये।

16वें ओवर में जेफ्री वैंडरसे ने विल यंग (26) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। ऐसे संकट के समय मार्क चैपमैन ने ग्लेन फिलिप्स के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया।

24वें ओवर में चरित असलंका ने ग्लेन फिलिप्स (15) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मिचेल हे ने चैपमैन के साथ पांचवें विकेट के लिए 75 रन जोड़े। 37वें ओवर में ए फर्नांडो ने मार्क चैपमैन (76) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर पवेलियन लौट गये।

मिचेल हे ने (45) रनों की पारी खेली और 46वें ओवर में आउट होने वाले वह आखिरी बल्लेबाज थे। श्रीलंकाई गेंदबाजों के आगे न्यूजीलैंड की पूरी टीम 45.1 ओवर में 209 पर सिमट गई। श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षण और जेफ्री वैंडरसे ने तीन-तीन विकेट लिये। असिता फर्नांडो को दो विकेट मिले। दुनित वेल्लालगे और चरित असलंका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। पल्लेकेले 17 नवंबर (वार्ता) महीश तीक्षण और जेफ्री वैंडरसे (तीन-तीन) विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने रविवार को दूसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड को 209 के स्कोर पर ढ़ेर दिया।

आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। टिम रॉबिंसन (चार) और हेनरी निकल्स (आठ) रन बनाकर आउट हुये। 16वें ओवर में जेफ्री वैंडरसे ने विल यंग (26) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। ऐसे संकट के समय मार्क चैपमैन ने ग्लेन फिलिप्स के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 24वें ओवर में चरित असलंका ने ग्लेन फिलिप्स (15) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मिचेल हे ने चैपमैन के साथ पांचवें विकेट के लिए 75 रन जोड़े। 37वें ओवर में ए फर्नांडो ने मार्क चैपमैन (76) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद तो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर पवेलियन लौट गये। मिचेल हे ने (45) रनों की पारी खेली और 46वें ओवर में आउट होने वाले वह आखिरी बल्लेबाज थे। श्रीलंकाई गेंदबाजों के आगे न्यूजीलैंड की पूरी टीम 45.1 ओवर में 209 पर सिमट गई । श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षण और जेफ्री वैंडरसे ने तीन-तीन विकेट लिये। असिता फर्नांडो को दो विकेट मिले। दुनित वेल्लालगे और चरित असलंका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय महिला टीम ने जापान को 3-0 से हराया

राजगीर, 17 नवंबर । भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 के अपने आखिरी ग्रुप चरण के मैच में जापान को 3-0 से हरा दिया। आज यहां राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पहले हॉफ में जापान की रक्षापंक्ति ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए भारतीय टीम को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। पहले क्वार्टर के आखिर में भारतीय टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन जापान की रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। दूसरे हाफ में नवनीत कौर ने (37वें) मिनट में गोल दागकर भारत को बढ़त दिलाई और इसके बाद दीपिका ने (47वें और 48वें) मिनट में गोल ने भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर बनीं हुई है। भारतीय टीम ने इस चैंपियनशिप में कोई भी मैच नहीं हारा है।

अश्विन के खिलाफ सक्रिय रहने की जरूरत, उन्हें लय हासिल करने का मौका नहीं देना होगा : स्मिथ

मेलबर्न, 17 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 2020-21 श्रृंखला के दौरान भारतीय स्पिनर के खिलाफ अपने संघर्ष से बचने के लिए आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ सक्रिय रवैया अपनाना चाहते हैं। इस भारतीय ऑफ स्पिनर ने2023 में ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान को दो बार आउट किया था। स्मिथ इस दौरान अश्विन के खिलाफ सिर्फ 22 रन ही बना सके थे। स्मिथ ने कहा, ''मुझे ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्पिन के खिलाफ आउट होना पसंद नहीं है। बहुत अच्छा गेंदबाज है और उसकी योजनाएं शानदार होती है। कुछ ऐसे मौके आए जब वह मुझ पर दबदबा बनाने में सफल रहा।'' स्मिथ ने कहा, '' एससीजी में मैं सक्रिय रवैया अपनाकर उस पर हावी होने में सफल रहा। ऐसे में मेरे लिए यह अहम है कि उसके खिलाफ सक्रिय बल्लेबाजी कर के उसे लय हासिल और उस तरह से गेंदबाजी नहीं करने दे जिस तरह से वह चाहता है।''

मैक्ग्रा ने ऑस्ट्रेलिया को 'भावनात्मक' के खिलाफ 'कड़ा रुख' अपनाने को कहा

मेलबर्न, 17 नवम्बर। दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के पास 'भावनात्मक' विराट कोहली को निशाना बनाने की 'क्षमता' है और यह स्टार बल्लेबाज अगर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की खराब शुरुआत करता है तो 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली श्रृंखला में दबाव में आ जाएगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली चार टेस्ट श्रृंखला जीती हैं जिनमें से दो ऑस्ट्रेलिया में खेली गई।

टीम इंडिया को हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला से पूर्व पिछली श्रृंखला में स्वदेश में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा। फॉक्स क्रिकेट ने 'कोड स्पोर्ट्स' पर मैक्ग्रा के हवाले से कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की हार के बाद, आपके पास खुद को साबित करने के लिए बहुत क्षमता है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए उन पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं।'' एक दशक से अधिक समय से भारत की बल्लेबाजी के मुख्य आधार रहे कोहली पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस साल उन्होंने जो छह मैच खेले हैं उनमें उनका औसत मात्र 22.72 रहा है। चोटिल शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हैं और कप्तान रोहित शर्मा का खेलना भी संदिग्ध है और ऐसे में कोहली बल्लेबाजी क्रम का नेतृत्व करने का दबाव महसूस करेंगे।

भारतीय विद्युत बैडमिंटन की महिला टीम का अखिल भारतीय विद्युत बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 17 नवम्बर। राजस्थान के विद्युत निगमों की महिला बैडमिंटन टीम ने अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 सिल्वर और 1 ब्रांज मेडल प्राप्त किया है। शर्मा, कार्यकारी सदस्य, अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड ने जानकारी दी कि 12 से 14 नवम्बर 2024 तक वडोदरा, गुजरात में आयोजित की गई 46वीं अखिल भारतीय विद्युत बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान के विद्युत निगमो से पुरुषों के शतरंज व बैडमिंटन में 8 खिलाड़ियों की टीम तथा महिलाओं की बैडमिंटन में 5 खिलाड़ियों की टीम ने भाग लिया। राजस्थान से विद्युत निगमो की महिला टीम ने लगातार दूसरी बार अखिल भारतीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में भाग लेते हुए 2 मेडल प्राप्त किये है। राजस्थान की टीम के मैनेजर डी.के. सैनी, अधीक्षण अभियंता, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम ने बताया कि प्रतियोगिता में सभी खेलों में राजस्थान के खिलाड़ियों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया लेकिन अन्य राज्यों के भी अनुभवी खिलाड़ी और मुकाबला कठिन होने के कारण महिलाओं के बैडमिंटन खेल में ही सफलता हासिल हो सकी। अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त करने वाली महिला बैडमिंटन टीम में दीपिका कालेर तकनीकी प्रबंधक राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम, पूनम पिलानिया कनिष्ठ अभियंता सूरतगढ़ सुपरक्रिटिकल थर्मल विद्युत गृह, पूजा मान कनिष्ठ लेखाकार कोटा थर्मल विद्युत गृह, श्वेता केन कनिष्ठ अभियंता राजस्थान ऊर्जा विकास निगम, हेमलता सुमन कनिष्ठ अभियंता राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम है। इसी प्रकार रजत पदक प्राप्त करने वाली महिला डबल्स बैडमिंटन टीम में पूनम पिलानिया और पूजा मान रही।

विंडीज का घर में सबसे बड़ा रन चेज, चौथे टी-20 में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया

सेंट लूसिया, 17 नवम्बर। वेस्टइंडीज ने अपने घरेलू मैदान पर टी-20 इंटरनेशनल का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया है। टीम ने इंग्लैंड को चौथे टी-20 मुकाबले में 5 विकेट से हराया। हालांकि, मेजबान टीम 5 मैचों की सीरीज में 1-3 से पीछे चल रही है। आखिरी मुकाबला रविवार रात को खेला जाएगा।

सेंट लूसिया के ग्रोस आइलेट में शनिवार रात विंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लिश टीम ने फिल सॉल्ट (55 रन) और जैकब बिथेल (62 रन) की फिफ्टी के सहारे 218 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज के बैटर्स ने 219 रन का टारगेट 19 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर दिया। शाई होप प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। साथ ही इवेन लुईस के साथ 55 गेंद पर 136 रनों की ओपनिंग साझेदारी की।

जीत के साथ वेस्टइंडीज ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में वापसी की है। हालांकि, टीम अब भी 1-3 से पिछड़ रही है। इससे पहले इंग्लैंड ने शुरुआती 3 मुकाबले जीतते हुए सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। आखिरी मुकाबले में भी विंडीज हार का अंतर कम कर सकेगी।

18वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय (बालक / बालिका) वुशू प्रतियोगिता में जयपुर टीम ने जीता खिताब

जयपुर, 17 नवम्बर। राजस्थान वुशू संघ व श्रीगंगानगर वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 15 से 17 नवम्बर तक पंचायती धर्मशाला, श्रीगंगानगर में चल रही 18वी राजस्थान सबजूनियर राज्य स्तरीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि तरुण जैन, अधिवक्ता व सुरेन्द्र पाल सिंह, नितिन अग्रवाल विशिष्ट अतिथियों ने पदक विजेता खिलाडियों को ट्रॉफी व पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

हीरानन्द कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया की प्रतियोगिता में ओवरआल टीम चैंपियनशीप में जयपुर टीम ने 14 स्वर्ण, 12 रजत व 13 कांस्य पदक सहित कुल 119 अंको के साथ प्रथम स्थान व जोधपुर टीम ने 7 स्वर्ण, 6 रजत व 12 कांस्य पदक सहित कुल 65 अंको के साथ दुसरे स्थान व कोटा टीम 8 स्वर्ण,

4 रजत व 2 कांस्य पदक सहित कुल 54 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में बेस्ट बालक वर्ग का खिताब अजमेर के इंद्रजीत सिंह को व बेस्ट बालिका वर्ग का ख़िताब जयपुर की आराध्या सिंह को मिला। तथा प्रतियोगिता में बेस्ट अनुशासन टीम का ख़िताब श्रीगंगानगर टीम को मिला ।

नितिन अग्रवाल, अध्यक्ष, श्रीगंगानगर वुशू संघ ने प्रतियोगिता में आये हुए अतिथियों का माला व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए मंजीत कुमार, सचिव, श्रीगंगानगर वुशू संघ ने सभी अतिथियों, खिलाडियों व पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापन किया।

आकिब जावेद पाकिस्तान के नए हेड कोच होंगे, जेसन गिलेस्पी की जगह लेंगे

कराची, 17 नवम्बर। पूर्व पाकिस्तानी बॉलर आकिब जावेद पाकिस्तानी टीम के नए हेड कोच बन सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जेसन गिलेस्पी को हटाकर आकिब जावेद को सभी फॉर्मेट की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

गिलेस्पी को हाल ही में व्हाइट बॉल फॉर्मेट के हेड कोच गैरी कर्स्टन के रिजाइन देने के बाद पाकिस्तान का कोच बनाया गया था। आकिब अभी पाकिस्तान मेंस क्रिकेट सिलेक्शन कमेटी में बतौर कन्वीनर काम कर रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस डिसीजन का एनाउंसमेंट सोमवार को कर सकता है।

जिम्बाब्वे दौरे से शुरू कर सकते है कोचिंग पाकिस्तान क्रिकेट टीम सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा और आखिरी टी-20 मैच खेलेगी। इसके बाद टीम को जिम्बाब्वे का दौरा करना है, जहां आकिब जावेद को व्हाइट-बॉल हेड कोच बनाया जाएगा। आकिब पूर्व में पकिस्तान टीम के असिस्टेंट कोच भी रह चुके हैं। उन्हें 2013 में ने अपना हेड कोच बनाया था।

अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में राजस्थान को पहली पारी में बढ़त

राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा, चेतन शर्मा, हिमांशु व अशोक शर्मा की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 17 नवम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत के अनुसार बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता के जयपुर में के एल सैनी स्टेडयम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान -आंध्रा अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा, चेतन शर्मा, हिमांशु व अशोक शर्मा की शानदार गेंदबाजी की सहायता से राजस्थान ने आंध्रा को पहली पारी मेसस्ते में आउट करते हुए राजस्थान को पहली पारी में बड़ी बढ़त दिलाते हुए आंध्रा को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया।

राजस्थान पहली पारी 601/7 घोषित (159.5 ओवर)

टीम के लिए सुमित गोदारा नाबाद 304, राज शर्मा नाबाद 86, जयंत ताम्बी 55, करण लाम्बा 46, हिमांशु नेहरा 44, मुकुल चौधरी 32 व पुखराज कुमारनाबाद 21 रनो का योगदान दिया।

आंध्रा पहली पारी 224 आल आउट

राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगराने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए आंध्रा की आधी टीम को पवेलियन लौटाया। राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा 44/5, चेतन शर्मा 45/2, अशोक शर्मा 49/1 व हिमांशु नेहरा 54/1 विकेट प्राप्त किया। अशोक शर्मा ने शानदार फ़िल्डिंग करते हुए आंध्रा के रवि किरण को रन आउट किया

'फुटबॉल नगरी' नोहर के अल्ताफ हुसैन की कप्तानी में

आज का मैच तय करेगा राजस्थान टीम का क्वालीफाई का सफर

जयपुर, 17 नवंबर। नोहर के अल्ताफ हुसैन की कप्तानी में राजस्थान फुटबॉल टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए महाराष्ट्र फुटबॉल टीम को 2-1 के स्कोर से मात दी। इस मैच में राजस्थान के लिए पहला गोल नोहर के बेस्ट फॉरवर्ड इमरान मानी ने किया। इमरान मानी को पहले ही मैच में ''मैन ऑफ द मैच'' चुना गया। इमरान मानी का नोहर ही नही बल्कि राजस्थान के भी टॉप फॉरवर्ड में सबसे अव्वल स्थान पर नाम आता है और अभी राजस्थान पुलिस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं । राजस्थान टीम में नोहर के तीन खिलाड़ी अपने खेल का प्रदर्शन कर रहे है और नोहर का नाम रोशन कर रहे है।

नोहर को युही फुटबॉल नगरी नोहर नही कहा जाता, जब भी राजस्थान में फुटबॉल का नाम लिया जाता है तो सबसे पहले नोहर का नाम ही आता है क्योंकी नोहर ने हमेशा से ही राजस्थान को अच्छे खिलाड़ी दिए है जो कि राजस्थान की टीम से अपनी भूमिका निभाते है। इस बार राजस्थान के जयपुर में ही आयोजित हो रही संतोष ट्रॉफी में राजस्थान फुटबॉल टीम भाग ले रही है जिसमे नोहर के तीन खिलाड़ियो का अंतिम रूप से चयन हुआ है। नोहर के अल्ताफ हुसैन, नीतीश मेहता व नोहर के स्टार खिलाड़ी इमरान मानी का भी चयन हुआ है। इमरान मानी अभी राजस्थान पुलिस फुटबाल टीम में अपनी सेवाएं दे रहे है। इन तीनो खिलाड़ियो के शानदार खेल की बदौलत इनका चयन राजस्थान फुटबॉल टीम में हुआ है।

राजस्थान कप्तान अल्ताफ हुसैन ने राजस्थान पुलिस की एक महीने जोधपुर में नौकरी करके एनआईएस की तैयारी में लग गए थे। अल्ताफ हुसैन को स्कूल नेशनल ब्रॉज मेडल 2015 (श्रीनगर), .संतोष ट्रॉफी 2016-17 (अहमदाबाद), रिलायंस नेशनल 2017-18 (मुंबई), संतोष ट्रॉफी 2021-22 (ऑल इंडिया क्वालिफाइड) (राजस्थान), आई लीग थर्ड डिवीजन 2023 (गुजरात) (क्लब-जयपुरलाइट), आई लीग थर्ड डिवीजन डिवीजन 2024 (असम) (क्लब-जयपुरलाइट), संतोष ट्रॉफी 2024 (कप्तान) (राजस्थान) खेलने का मौका मिला। अल्ताफ को राजस्थान अंडर-19 स्कूल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - 2015, राजस्थान लीग 2023 का सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर, राजस्थान सीनियर स्टेट का सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर 2024 पुरस्कार भी मिले हैं।

बालक वर्ग में श्रीगंगानगर व बालिका वर्ग में जयपुर चैम्पियन, प्रवीण और एकता कंवर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर, 17नवंबर। जालोर में रविवार को संपन्न चार दिवसीय 29वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका)-2024-25 में श्रीगंगानगर ने बालक वर्ग तथा जयपुर ने बालिका वर्ग का ख़िताब अपने नाम किया। बालक वर्ग के खिताबी मुक़ाबले में गत उपविजेता श्रीगंगानगर ने गत विजेता जयपुर को 23-19 से हराया।

वही बालिका वर्ग के फाइनल में जयपुर ने हनुमानगढ़ को 19-09 से हराया। बालक वर्ग में सीकर ने ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकादमी-श्रीगंगानगर को 10-07 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग चूरु जोधपुर को 13-11 से हराकर तीसरे स्थान पर रही।

आयोजन सचिव पर्वत सिंह भाटी ने बताया कि राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से प्रतियोगिता के बालक वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी श्रीगंगानगर के प्रवीण को स्व. अमृत कुमार नाटा तथा बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जयपुर की एकता कंवर को स्व. इरफ़ान अली गौड़ की स्मृति में 1100-1100 रू. का नक़द पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वही जालोर ज़िला हैंडबॉल संघ की ओर से सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर की ट्रॉफी बालक वर्ग में जयपुर के यश यादव को तथा बालिका वर्ग में चित्तौड़गढ़ की नेहा धाकड़ को प्रदान की गई। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष हरीश धनदेव थे।समारोह की अध्यक्षता राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि ठा. हेमंत सिंह देवड़ा सनवाड़ा, राजेंद्र कुमार, सुरेश सोलंकी-भाजपा नगर अध्यक्ष, अभिमन्यु सिंह-अध्यक्ष जिला हैंडबॉल संघ जालौर, महिवर्धन सिंह खंगारोत-संयुक्त सचिव, जयपुर ज़िला हैंडबॉल संघ ने खिलाड़ियों को मेडल पहना कर और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में भाग लिया। प्रवासी राजस्थानियों ने उनका भावभीना स्वागत किया।

जहाँ न पहुँचे बैलगाड़ी, वहाँ पहुँचे मारवाड़ी-भजनलाल

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने जलगाँव व नागपुर में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में भाग लिया

नागपुर, 17 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्षों पूर्व नागपुर की ऐतिहासिक धरती से "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ" के रूप में राष्ट्रीयता का एक ऐसा दीपक जला, जो आने वाले समय में पूरी दुनिया को राह दिखाएगा। उन्होंने कहा , अगले वर्ष 2025 में संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में हमें राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी को समझते हुए हमारी भूमिका तय करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने रविवार को नागपुर में विभिन्न स्थानों पर, विधानसभा चुनाव में नागपुर व विदर्भ के समस्त महायुति गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों को संबोधित किया। रजवाड़ा पैलेस में आयोजित राजस्थान सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने देशहित में अपने आप को समर्पित कर दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के बाद देश को दिशा देने के लिए कैबिनेट मंत्री के पद से त्यागपत्र देकर जनसंघ के रूप में कुछ लोगों का राष्ट्रवादी संगठन बनाया, जो आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी, भाजपा बन गया है।

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच एक अनूठा रिश्ता है। राजस्थान महाराणा प्रताप की शौर्य भूमि है, तो महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी की वीरता की गाथा कहता है।**

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने वर्षों के शासनकाल में भ्रष्टाचार से देश को लूटा और अफवाएं फैलाकर लोगों को बरगलाने का प्रयास किया। पिछले लोकसभा चुनाव में भी वे आरक्षण के नाम पर लोगों को भ्रमित करने आए थे, मगर आज नजर नहीं आते।

मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच एक अनूठा रिश्ता है। राजस्थान महाराणा प्रताप की शौर्य भूमि है, तो महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी की वीरता की गाथा कहता है। उन्होंने कहा कि नागपुर के गणेश टेकड़ी मंदिर के निर्माण में प्रयुक्त पत्थर राजस्थान के बंशी पहाड़पुर का है। यही पत्थर अयोध्या में राममंदिर के निर्माण में भी उपयोग में लिया गया है। यह पवित्र बंधन अयोध्या और नागपुर को जोड़ने का काम करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी भाई-बहनों ने अपनी जन्मभूमि राजस्थान से आकर महाराष्ट्र को कर्मभूमि बनाया तथा कर्म, मेहनत और व्यवहार से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। मुख्यमंत्री ने "जहां न पहुंचे रेलगाड़ी, वहां पहुंचे बैलगाड़ी और जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी" का उदाहरण देते हुए कहा, मैं देश-दुनिया में जहां भी जाता हूं, वहां मुझे हमारे राजस्थानी भाई-बहन मिल जाते हैं। मेरी हाल ही की विदेश यात्राओं के दौरान भी बड़ी संख्या में हमारे राजस्थानी भाई-बहन मुझसे मिलने पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया और राजस्थान में निवेश करने के लिए कहा उन्होंने कहा, राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी राजस्थान देश में अग्रणी राज्य है।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों से आ ान किया कि वे नागपुर व विदर्भ की विधानसभा सीटों पर महायुति गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिताएं और महाराष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए डबल इंजन की सरकार बनवाएं।

कार्यक्रम में जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित, पूर्व विधायक गिरीश व्यास सहित भाजपा पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नागपुर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलनों में भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री जहां-जहां भी पहुंचे, लोगों में उन्हें देखने और उनसे मिलने की होड़ नजर आयी। महिलाएं, युवा और बच्चे शर्मा के साथ सेल्फी लेने को भी आतुर दिखे।

क्या कांग्रेस नेता समरावता में ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करने से डर रहे हैं ?

प्रदेश कांग्रेस की ओर से इस घटना पर सोशल मीडिया में बयान देकर मात्र औपचारिकता निभाई गई

जयपुर, 17 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान की देवली उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव में मतदान के दिन हुए थप्पड़ कांड के बाद कांग्रेस की भूमिका को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। इतने बड़े प्रकरण के बावजूद किसी भी कांग्रेस नेता का वहां नहीं जाना और कांग्रेस नेताओं की ओर से किसी भी तरह का कदम नहीं उठाया जाना, कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि, देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में मतदान के दिन निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा और एस.डी.एम. अमित चौधरी के बीच हुए विवाद के बाद नरेश मीणा ने चौधरी के थप्पड़ मारा था और उसके बाद समरावता गांव में रात को आगजनी के अलावा पुलिस तथा ग्रामीणों के बीच संघर्ष हुआ था। इसके बाद अगले दिन नरेश मीणा की गिरफ्तारी हुई थी और साथ ही करीब 81 लोगों को नामजद आरोपी बनाकर 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। तथापि, घटनाक्रम के 5

■ **दूसरी ओर मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने समरावता गाँव का दौरा किया व ग्रामीणों के पक्ष में बयान भी दिया।**

दिन बीत जाने के बावजूद न तो टोक सवाई माधोपुर के सांसद हरीश मीणा का कोई बयान आया ,ना अपने ही संसदीय क्षेत्र के समरावता गांव में वे पहुंचे। इतना ही नहीं, देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार रहे के सी मीणा भी इस पूरे मामले के बावजूद अभी तक नदारद हैं। प्रदेश कांग्रेस की ओर से भी इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर बयान देने की औपचारिकता निभाई गई है। ऐसे में सवाल यह उठ रहे हैं कि क्या कांग्रेस के लिए यह घटना कोई मायने नहीं रखती है, जबकि गुर्जर और मीणा वर्ग कांग्रेस का इस क्षेत्र में वोटर माना जाता है।

कांग्रेस जहां इस मामले में चुप्पी साधे बैठी है, वहीं, दूसरी ओर मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने गांव का दौरा करके ग्रामीणों के पक्ष में बयान भी दिया है। दूसरी ओर देवली उनियारा विधानसभा से 2023 का विधानसभा चुनाव हारे विजय बैंसला ने भी दौरा करके ग्रामीणों से चर्चा की है।

इस पूरे प्रकरण को लेकर कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने पहले तो देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा से कांग्रेस में आए के.सी. मीणा को बिना पार्टी का सदस्य बने ही टिकट दे दिया। ऐसे में चुनाव के दौरान कांग्रेसजन पार्टी उम्मीदवार के साथ नहीं लगे और अधिकांश कार्यकर्ता नरेश मीणा के साथ चले गए। हालांकि, कुछ लोग औपचारिकता निभाने के लिए कांग्रेस के मंचों पर भी नजर आते रहे। अब जब इतना बड़ा घटनाक्रम हो गया, तो सवाल यह उठ रहा है कि आखिरकार क्यों क्षेत्र के सांसद अभी तक इस मामले को लेकर गांव में जाना तो दूर ,एक बयान तक जारी नहीं कर पाए। हालांकि विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष, रामकेश मीणा ,विधायक घनश्याम मेहर, इंदिरा मीणा और कोटा संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार रहे प्रहलाद गुंजल ने समरावता गांव की घटना की निंदा करते हुए सरकार से मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से करने की मांग की है।

इस मामले को लेकर खुद टोंक जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रदेश कांग्रेस को इस मामले में आगे बढ़कर जांच कमेटी बनाकर उस गांव में भेजनी चाहिए थी, जहां प्रशासन ने ग्रामीणों के साथ में मारपीट की। लेकिन प्रदेश कांग्रेस ने इस मामले में चुप्पी साधकर एक तरह से क्षेत्र में कांग्रेस का बड़ा नुकसान कर दिया है। कहा जा रहा है कि क्षेत्रीय सांसद और उपचुनाव में पार्टी के प्रत्याशी बने नेता इसलिए घटनाक्रम को लेकर चुप्पी साधे बैठे हैं ,कि गांव के लोग पूरी तरह से नरेश मीणा के पक्ष में लगातार बयान दे रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के नेता उस गांव में जाकर ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करने से डर रहे हैं।

झांसी में एक शिशु की और मृत्यु

झांसी, 17 नवंबर। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र (एन.आई.सी.यू.) में हुए भीषण अग्निकांड में मरने वाले शिशुओं की संख्या बढ़ कर 11 हो गयी है।

अस्पताल प्रशासन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार जिन बच्चों का इलाज इमरजेंसी आई.सी.यू. में चल रहा था उनमें से एक की आज इलाज के दौरान मौत हो गयी। तथापि, अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इस शिशु की मृत्यु

■ **अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इस शिशु की मृत्यु जलने या झुलसने से नहीं हुई, सामान्य बीमारी से हुई है।**

जलने या झुलसने के कारण नहीं, बल्कि सामान्य बीमारी के कारण हुई है।

शुक्रवार देर रात हुए इस दुखद हादसे में 10 शिशुओं की मौत हो गयी थी। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वार्ड में भर्ती 49 शिशुओं में से 38 शिशुओं को सुरक्षित बचा लिया गया था इनमें से तीन की हालत गंभीर थी। तीन में से ही एक शिशु की इलाज के दौरान आज मौत हो गयी। इस तरह इस हादसे में मरने वाले शिशुओं का आंकडा अब बढ़ कर 11 हो गयी है।

भाजपा नेता यहाँ तो मंडरा रहे हैं, मणिपुर नहीं गये -कल्पना सोरेन

उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार ने झारखंड का पैसा भाजपा शासित राज्यों को भेजा

रांची,17 नवंबर। झारखंड में दूसरे चरण के चुनाव में कल्पना सोरेन ने पाकुड़ और डुमरी में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। सोरेन ने आज कहा कि डबल इंजन की सरकार ने दोगुनी ताकत से झारखण्ड की पीछे लाने का कार्य किया। भाजपा के बड़े-बड़े नेता प्रदेश में मंडरा रहे हैं, और ये उनकी सत्ता से दूर रहने की बेचैनी का प्रतीक है। शायद ही कोई बड़ा नेता बचा हो, जो झारखण्ड नहीं आया है। कुछ तो यहीं कैंप कर रहें हैं। भाजपा के लोग झारखण्ड में मंडरा रहें हैं, लेकिन मणिपुर में आदिवासी महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को देखने नहीं गए।

■ **कल्पना सोरेन ने कहा, उनकी सरकार ने माताओं और बहनों के सम्मान की योजनायें शुरु की थीं। भाजपा के लोगों ने इस पर कोर्ट में पी.आई.एल. लगायी, पर न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया।**

सोरेन ने कहा, भाजपा जब सत्ता में रही तो हजारों स्कूल बंद कर बच्चों को शिक्षा से वंचित कर दिया, 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर लोगों को अन्न के अधिकार से वंचित कर दिया। यहां के विकास का पैसा केंद्र सरकार द्वारा भाजपा शासित राज्यों को भेजकर झारखण्ड के लोगों के साथ अन्याय किया। लेकिन महा गठबंधन की सरकार उत्कृष्ट विद्यालय शुरू कर बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रही है। हम आधी आबादी को मजबूत करने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहें हैं। यह राशि अब एक हजार से 2500 होने वाली है।

कल्पना सोरेन ने कहा पहले चरण के मतदान में महिलाओं ने खुलकर भागीदारी निभाई है, जिससे यह साफ साबित होता है कि महागठबंधन सरकार की मईया सम्मान योजना और महिलाओं के लिए शुरू की गई योजनाओं के प्रति उनका विश्वास गहराया है। कल्पना सोरेन ने कहा माता बहनों को जो हम सम्मान दे रहे हैं उसको लेकर भाजपा के लोगों ने माननीय न्यायालय में पी.आई.एल. दर्ज किया था, जिसे कोर्ट द्वारा खारिज कर दिया। इससे उनके मुंह में जोरदार तमाचा लगा है।

सोरेन ने कहा, हम पिछड़ों को आरक्षण देने, 1932 आधारित स्थानीय नीति और आदिवासी सरना धर्म कोड को लागू करना चाहते हैं, हमने उसे पारित कर केंद्र सरकार को भेजा, लेकिन केंद्र सरकार ने उसे दबा दिया।

शिमला के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संरक्षण में देर रात मंदिर पर कब्जा करने की कोशिश की गई और मंदिर में पथराव किया गया जिसमें कुछ लोग घायल हुए हैं। कांग्रेस का एक नेता भी पथराव में शामिल था और पुलिस मूकदर्शक बन कर सब देखती रही। देर रात ब्रह्मों समाज के लोग पूजा और ध्यान करने पहुचे थे वही राम कृष्ण मिशन के लोग भी वहां मौजूद थे। पहले दोनों तरफ से नारेबाजी हुई उसके बाद आंदोलन पर उतर आए और बाद में एक दूसरे पर पथराव हुआ। आंदोलनकारियों ने आश्रम के प्रबंधकों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है, जिसके बाद माहौल काफी तनावपूर्ण हुआ। ब्रह्मे समाज के दूसरे गुट के ट्रस्टी एमआर संगरोली ने कहा प्रॉपर्टी ब्रह्मो समाज की है और रामकृष्ण मिशन के लोगों ने इस पर कब्जा किया है। वहीं, पुलिस ने देर रात विवाद को शांत किया और प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और मामले की जांच में जुट गई है। एसपी शिमला सजीव गांधी ने बताया कि पुलिस ने मामले में दो एसआईआर दर्ज कर ली है और पथराव करने वाले कुछ लोगों की पहचान भी कर ली है। मंदिर में इस तरह के पथराव को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

तेजस्वी यादव ने भाजपा नेताओं पर सार्वजनिक सम्पत्तियाँ बेचने का आरोप लगाया

बोकारो, 17 नवंबर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर देश की सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने और महंगाई बेरोजगारी पर रोक नहीं लगाने का आरोप लगाया है।

यादव ने झारखंड में बोकारो जिले के दुग्धा स्थित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी ने महंगाई पर रोक नहीं लगाई और बेरोजगारों को रोजगार देने में असफल रही है। भाजपा इंडिया गठबंधन के नेताओं को अपनी पार्टी में मिलाने के लिए और राज्यों में अपनी सरकार बनाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) , आयकर विभाग जैसी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर इंडिया गठबंधन के निर्दोष नेताओं को भी जेल में डाल रही है लेकिन इनकी गीदड़ भभकी से हम लोग डरने वाले नहीं हैं। भाजपा देश में मात्र नफरत फैलती है और हिंदू-मुसलमान के बीच में लड़ाई लगाती है। झारखंड गठन के बाद सबसे ज्यादा शासन भाजपा ने ही किया है, फिर भी यहां के लोग बदहाल हैं। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने आरोप लगाया है कि प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के पास अब कोई काम नहीं है इसलिए वह सिर्फ क्रेडिट लेने की होड़ मे लगे रहते हैं।

मंत्री कैलाश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा था। ईडी-सीबीआई के छापे मारे जा रहे थे। ईडी के दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था। उनके घर पर आयकर के छापे मारे जा रहे थे। गहलोत के ऊपर ईडी, आयकर समेत तमाम तरीके का दबाव था।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा गहलोत के ऊपर ईडी-सीबीआई के कई मामले चल रहे थे। उनके परिवार पर भी चल रहे थे इसलिए उन्होंने जेल के संघर्ष से बेहतर भाजपा में शामिल होना समझा।

भाजपा के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, कैलाश गहलोत का इस्तीफा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष और आक्रोश का लावा है, क्योंकि दिल्ली की बुनियादी समस्याओं को हल करने में दिल्ली सरकार पूरी तरफ़ विफल साबित हुई है और दिल्ली के लोगों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया है।

'बेटियों को मिलने वाला सोने का सिक्का आलमगीर खा गया'

रांची, 17 नवंबर। असम के मुख्यमंत्री एवं भाजपा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने आज महगामा में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान सरमा ने सहारा का जिक्र करते हुए कहा कि, सहारा में जिसका पैसा डूबा है, भाजपा सरकार बनते ही पाई-पाई लौटा देंगे। उन्होंने हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए, उनके वादे को याद दिलाया। कहा कि, जब लड़कियों की शादी होगी तो उनको सोने का सिक्का मिलेगा, ये सोने का सिक्का कहां गया? ये सोना का सिक्का आलमगीर आलम खा गया।

सरमा ने झामुमो-कांग्रेस-राजद पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, जामताड़ा, राजगोहाल और पाकुड़ में था। लोगों ने मुझे बताया कि जामताड़ा पाकुड़ साहिबगंज में शुक्रवार को स्कूल बंद होते

■ **हिमन्ता बिस्वा सरमा ने झारखंड की चुनाव सभाओं में आरोप लगाया।**

हैं, क्योंकि लोगों को नमाज पढ़ ना होती है। सरमा ने कहा कि, अगर शुक्रवार को नमाज पढ़ ने के लिए स्कूल बंद होते हैं, तो मंगलवार को भी हनुमान पूजा के लिए बंद होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि, जो लोग शुक्रवार को स्कूल बंद करते हैं, उनको वोट नहीं देना है। रामनवमी का अगर कोई जुलूस निकलना चाहता हैं, दुर्गा पूजा का विसर्जन करने नहीं देते, लोहरदगा में विसर्जन करने नहीं देते। लेकिन मोहर्रम पर शोभा यात्रा निकाली जाती है, जुलूस निकलते हैं। मोहर्रम का जुलूस होता है तो हमारे हिंदू भाइयों को पीटा जाता है और पुलिस कुछ नहीं करती। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि झारखंड सरकार को सिर्फ घुसपैठियों से प्यार है। उन्होंने कहा कि, झामुमो-कांग्रेस-राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि, ये घुसपैठियों की सरकार है। हेमंत सोरेन हमारे झारखंड के मुख्यमंत्री हैं। विधानसभा में नमाज पढ़ ने के लिए रूम बना देते हैं, तो क्या हमारे हिंदू भाईयों को हनुमान चालीसा पढ़ ने के लिए अलग रूम नहीं चाहिए? उन्होंने कहा कि, हमारे संथाल परगना में 1951 में 23 लाख हिंदू थे और दो लाख मुसलमान थे। हिंदू 1951 में 90 प्रतिशत थे, लेकिन आज हिंदू घटकर 67 प्रतिशत हो गए और मुसलमान बढ़ कर 31 प्रतिशत।

हिजबुल्लाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमले में हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता मोहम्मद अफीफ की मौत हो गई। सितंबर में इज़रायल की सैन्य कार्रवाई में वृद्धि होने और लंबे समय से हिजबुल्ला के नेता रहे हसन नसरल्ला के मारे जाने के बाद, अफीफ अपने संगठन का मीडिया में पक्ष रख रहा था। अब इज़रायली सेना ने उसे भी ढेर कर दिया।

मोहम्मद अफीक के मारे जाने से पहले इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर शनिवार को फिर 2 रॉकेट से हमला किया गया था। इज़रायली सेना के अनुसार, आग के 2 धधकते गोले नेतन्याहू के आवासीय परिसर में गिरे थे।

हालांकि इस दौरान प्रधानमंत्री और उनका परिवार वहां मौजूद नहीं था। इससे पहले अक्टूबर में भी बेंजामिन नेतन्याहू के घर ड्रोन हमला किया गया था। बाद में हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। तब भी नेतन्याहू हमले में बाल-बाल बच गए थे।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के लिए भी वॉर्निंग जारी की गई है।

मौसम विभाग ने एक्स पर लिखा "17 नवंबर की देर रात और 18 नवंबर की सुबह हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में घना से लेकर बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और उसके बाद 24 घंटों तक घना कोहरा छाया रहेगा।"

दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को और खराब हो गई तथा वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 441 रहा, जिससे दिल्ली देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया। राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई शाम चार बजे 441 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। शनिवार को एक्यूआई 417 था। देश के चार शहरों में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार हरियाणा के बहादुरगढ़ में सबसे अधिक 445 एक्यूआई रहा, इसके बाद दिल्ली में 441, हरियाणा के भिवानी में 415 और राजस्थान के बीकानेर में 404 एक्यूआई दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धीरज सरना ने किया है। फिल्म गोधरा की घटना पर आधारित है। गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस को जलाए जाने के बाद गुजरात के कई हिस्सों में दंगे भड़क उठे थे। इस फिल्म में मुख्य किरदार की भूमिका विक्रांत मैसी निभा रहे हैं। यह फिल्म 15 नवंबर को रिलीज हुई। एक एक्स यूजर ने अपनी संक्षिप्त समीक्षा में कहा कि निर्माताओं ने इस मुद्दे को बहुत संवेदनशीलता और गरिमा के साथ संभाला है। यूज़र ने यह भी दावा किया कि इस घटना का एक "निहित स्वार्थ समूह" द्वारा राजनीतिकरण किया गया और इसे "एक नेता की छवि को धूमिल करने" के अवसर के रूप में इस्तेमाल किया गया।

'जिन्हें संविधान की जानकारी नहीं, वे उसकी प्रति दिखा कर ढोंग कर रहे हैं'

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि हेमन्त सोरेन की छल-कपट वाली सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार बढ़ाया

बोकारो, 17 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की सरकार पर रविवार को तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिन्हें संविधान की जानकारी तक नहीं है, वो संविधान की प्रति दिखा ढ ोंग कर जनता को गुमराह करने में लगे हैं।

नड्डा ने आज बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के मंजूरा स्थित सपाहीटांड़ में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए झामुमो-कांग्रेस एवं राजद पर हमला बोलते हुए यह भी कहा कि आगामी 23 नवंबर के बाद झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को जनता उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की छल-कपट वाली सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है।

■ **बोकारो जिले की चुनाव सभाओं में नड्डा ने कहा, झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हैं और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 236 करोड़ के जमीन घोटाले में जमानत पर हैं।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। खुद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 236 करोड़ रुपए के जमीन घोटाले के आरोपी हैं, जो फिलहाल जमानत पर हैं।

झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को मदरसों में पनाह देने के साथ ही उनके आधार कार्ड, वोटर कार्ड बनाने से लेकर उन्हें सभी सुविधाएं मुहैया करवा रही है।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आदिवासी, दलित समेत सभी समुदाय को साथ लेकर चल रही है। केंद्र सरकार आयुष्मान, उज्ज्वला योजना से लेकर दर्जनों कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को सुविधा दे रही है। मोदी सरकार में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से निकलकर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।

चुनावी सभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन समर्थित आजसू पार्टी के गोमिया विधानसभा प्रत्याशी डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि विधायक बनने के बाद दो साल को कोरोना ने छीन लिया।

इसके बावजूद महज तीन वर्षों में विकास के इतने कार्य कर दिखाए, जितने पिछले किसी भी विधायक के कार्यकाल में नहीं हुए। विकास की यह रफ्तार न रुके, इसलिए उन्हें पुन: मौका दें।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908